मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-191, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

प्रदेश में बनाए जाएंगे सांदीपनि स्कूलों के 400 नए भवन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्कूल शिक्षा विभाग में 20 हजार पदों पर जल्द होगी भर्ती

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज स्कूल शिक्षा विभाग के 954 अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। अनुकंपा नियुक्ति के जो 300 प्रकरण शेष हैं, उनका निराकरण भी इसी वर्ष किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीक स्वरूप 11 कर्मचारियों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह संवेदनशील पहल, पात्र परिवारों को शासकीय सेवा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 200 नए सांदीपनि विद्यालयों के भवन स्कूल शिक्षा और 200 नए सांदीपनि स्कूलों के भवन जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन में बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग के अनुकम्पा नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम् के गान से हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने पौधा भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय नौकरी करते हुए किसी का असमय दुनिया से चले जाना, परिवार के लिए कष्टकारी होता है। परिवार के सदस्य की कमी के साथ आर्थिक संसाधन भी बाधित हो जाते हैं। यह एक प्रकार से परिवार के ऊपर दुःखों के पहाड़ टूटने जैसा है। मुश्किल हालात से गुजर रहे ऐसे परिवार, राज्य सरकार के परिवार के हिस्से की तरह है। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करना सभी के लिए प्रेरणा पुंज की तरह काम करेगा।



38 हजार करोड़ रुपए हुआ स्कूल शिक्षा विभाग का बजट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में शासकीय सांदीपनि विद्यालय क्रांतिकारी परिवर्तन लेकर आए हैं। प्रदेश में वर्ष 2002-03 तक स्कूल शिक्षा का बजट लगभग 400 करोड़ रुपए था, लेकिन आज राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप यह बजट 38 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचा है। स्कूलों में अधोसंरचनात्मक विकास के साथ, आधुनिक लैब, खेल गतिविधियां सहित उच्च गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की हुई सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो दुनिया से चले गए, उसका सभी को दुःख है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर सराहनीय कार्य किया है। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल अन्य विभागों के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिवार में आर्थिक रूप से सुख संपन्नता हो, तभी आनंद से त्यौहार मनता है। राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता को समय-सीमा में पूर्ण करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि आज जिन्हें नियुक्ति दी गई है, उनमें 661 सहायक ग्रेड-3, 31 प्राथमिक शिक्षक और 262 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। स्कूल शिक्षा विभाग, वरिष्ठ अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तक बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित है।

चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल भगदड़ की जांच के लिए एसआईटी गठित

एजेन्सी, कोलकाता



पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल के पास 17 अक्टूबर को हुई भगदड़ की व्यापक जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राज्य सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के परामर्श से गठित इस दल को घटना के कारणों का पता लगाने, संभावित लापरवाही की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी है। एसआईटी को आदेश जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपनी होगी।

पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल की ओर से 21 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, सेवानिवृत्त न्यायाधीश अनिंदिता रॉय सरस्वती एसआईटी की अध्यक्ष होंगी। इसके अलावा, राज्य के आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रधान सचिव, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के प्रतिनिधि, गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के प्रतिनिधि और कोलकाता में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का एक प्रतिनिधि इसके सदस्य होंगे।

पीएम मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल ने जताया शोक

सेंगोल बनाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत की आजादी के समय ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन हो गया है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि इनके परिवार ने ही संसद में स्थापित किए गए 'सेंगोल' को 75 साल पहले बनाया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु के निधन से गहरा दुख हुआ। तमिलनाडु के एक प्रतिष्ठित परिवार से आने वाले एथिराजुलु को उनके द्वारा पूर्व पीएम नेहरू को भेंट किए गए ऐतिहासिक सेंगोल के लिए याद किया जाएगा। कई साल बाद 2023 में केंद्र सरकार को नए संसद भवन में सेंगोल को गौरव का स्थान देने का सम्मान मिला। उस दौरान मुझे तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु से मिलने और राष्ट्र और संस्कृति के लिए उन्होंने जो किया है, उसके लिए आभार व्यक्त करने का सम्मान मिला।



पीएम मोदी ने लिखा, उनका जीवन और शिल्प कौशल भारत की गौरवशाली परंपराओं और हमारी राष्ट्रीय यात्रा के बीच एक उल्लेखनीय संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना। ओम शांति। तमिलनाडु राजभवन (लोकभवन) की ओर से भी शोक संदेश जारी किया गया। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा, श्तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु, जिन्होंने 1947 में 20 साल की छोटी उम्र में पवित्र सेंगोल के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, का निधन हो गया है।

टाइगर फायरिंग केस

कुल 10 गिरफ्तार, सात को कोर्ट में पेश करेगी पुलिस



एजेन्सी, मुंबई

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार को जानलेवा हमला हुआ था। गोलीबारी की घटना में वे बाल-बाल बचे। मामले में पहले 3 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। अब पुलिस को केस में बड़ी सफलता हाथ लगी है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में एक बड़ी अपडेट सामने आई है। मुंबई पुलिस ने मामले में 10वें आरोपी जतिन को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। जतिन पर आरोप है कि उसने फायरिंग करने वाले शूटर्स को हथियार उपलब्ध करवाए थे। जतिन को हिरासत में लेने के बाद मुंबई पुलिस ने सोनीपत के ही अंकित राजेश और समीर को भी गिरफ्तार किया। तीन मुख्य आरोपियों को मिलाकर अब तक मामले में कुल गिरफ्तार हुए लोगों की संख्या 10 हो गई है।

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों ने उन पर निशाना साधने से पहले चार अन्य फिल्मी सितारों के घरों की रेकी की थी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मुंबई पुलिस के एंटी एक्सटॉर्शन सेल की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि टाइगर श्रॉफ पर हमले की योजना बनाने से पहले उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आमिर खान और अक्षय कुमार के आवासों का दौरा किया था।

दिल्ली में खराब हवा से हर साल 12,000 मौतें

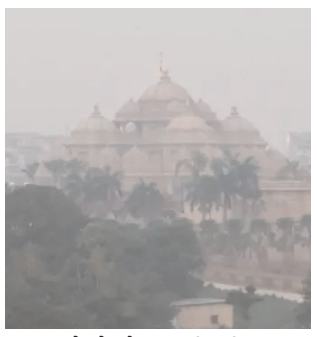
दिल्ली-एनसीआर में AQI 240 के पार; ग्रेप-1 लागू होटलों में तंदूर और जनरेटर के इस्तेमाल पर रोक

एजेन्सी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता खराब होने के बाद बुधवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के पहले चरण की पाबंदियां लागू कर दी गईं। इसके तहत रेस्टोरेंट के तंदूर में कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल करने पर रोक रहेगी। डीजल जनरेटर का इस्तेमाल केवल इमरजेंसी या जरूरी परिस्थितियों में किया जा सकेगा।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 20 अक्टूबर को 179 था, जो 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे बढ़कर 244 पहुंच गया। मौसम एजेंसियों ने आने वाले दिनों में भी अदक खराब श्रेणी में बने रहने का अनुमान जताया है।

द लांसेट' की 2024 की स्टडी के मुताबिक, भारत के 10 प्रमुख शहरों में से दिल्ली की स्थिति सबसे खराब है, जहां प्रदूषित हवा हर साल 12,000 लोगों की जान ले रही है।



हवा का स्तर खराब होने पर GRAP लागू होता है

हवा के प्रदूषण स्तर की जांच करने के लिए इसे 4 कैटेगरी में बांटा गया है। हर स्तर के लिए पैमाने और उपाय तय हैं। इसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान कहते हैं। इसकी 4 कैटेगरी के तहत सरकार पाबंदियां लगाती है और प्रदूषण कम करने के उपाय जारी करती है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स का क्या मतलब है?

एयर क्वालिटी इंडेक्स एक तरह का टूल है, जो यह मापता है कि हवा कितनी साफ और स्वच्छ है। इसकी मदद से हम इस बात का भी अंदाजा लगा सकते हैं कि इसमें मौजूद एयर पॉल्यूटेंट्स से हमारी सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं। AQI मुख्य रूप से 5 सामान्य एयर पॉल्यूटेंट्स के कॉन्सन्ट्रेशन को मापता है। इसमें ग्राउंड लेवल ओजोन, पार्टिकल पॉल्यूशन, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड शामिल हैं। आपने AQI को अपने मोबाइल फोन पर या खबरों में आमतौर पर 80, 102, 184, 250 इन संख्याओं में देखा होगा।

इटली: हिंसक प्रदर्शन पर 21 लाख जुर्माना

नाबालिग ने तोड़फोड़ की तो माता-पिता भरपाई करेंगे

एजेन्सी, इटली

इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब 5 साल तक जेल और करीब 21 लाख रुपए तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी के बाद सुरक्षा के नए नियमों को मंजूरी दी है।

नए नियमों के तहत नाबालिगों के किए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। साथ ही, 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाना आसान होगा। सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के आखिर तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुखद और डराने वाला है।



उन्होंने कहा 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन में कई युवा चीजें तोड़ने, चोरी करने और ऐसा करते हुए अपना वीडियो बनाने आए थे।

मेलोनी के मुताबिक, इस समस्या से गंभीरता से निपटना जरूरी है, ताकि हिंसा के वीडियो देखकर दूसरे युवा भी ऐसा करने के लिए प्रेरित न हों।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में 3,600 जवानों ने बलिदान दिया, गृह मंत्री अमित शाह बोले....

कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति:2029 तक देश नशामुक्त बनाएंगे

एजेन्सी, नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की। शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस पर दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शाह ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का योगदान महत्वपूर्ण है और उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।



नशे के खिलाफ बाइक रैली रवाना

कार्यक्रम से पहले शाह ने करीब 90 पुलिस राइडर्स की देशव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में CRPF, CISF, BSF, SSB, ITBP और NSG के जवानों के साथ रेलवे सुरक्षा बल , राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के कर्मी भी हिस्सा ले रहे हैं। रैली कई राज्यों से गुजरते हुए गुजरात के एकता नगर पहुंचेगी। यहां 31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित एकता परेड में राइडर्स शामिल होंगे। इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

21 अक्टूबर को क्यों मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस

राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के घात लगाकर किए गए हमले का मुकाबला करते हुए 10 CRPF जवान शहीद हुए थे। उन्हीं की याद में यह दिन मनाया जाता है।

शाह के भाषण की प्रमुख बातें

नशे से देश की अर्थव्यवस्था को नुकसानः शाह ने कहा कि नशे का कारोबार आने वाली पीढ़ियों को खोखला कर रहा है। इससे अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और देशविरोधी संगठनों को आर्थिक मदद मिलती है।

CRPF, CoBRA और छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफः गृह मंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में CRPF और CoBRA बटालियनों के योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस के साहस, धैर्य और लगातार किए गए प्रयासों की भी तारीफ की।

आजादी के बाद 36,852 पुलिसकर्मी शहीदः शाह ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक ड्यूटी के दौरान 36,852 पुलिसकर्मी जान गंवा चुके हैं। इनमें इस साल शहीद हुए 154 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों के नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती, लेकिन पूरा देश उनके बलिदान के प्रति आभारी है।

पुलिसकर्मियों के बलिदान से देश मजबूत हुआः आजादी के बाद भारत ने दुनिया में सम्मानजनक स्थान हासिल किया है। इसमें आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले पुलिस और सुरक्षा कर्मियों के बलिदान का बड़ा योगदान है।

छठवीं वाहिनी विसबल जबलपुर में पुलिस शहीद स्मृति शहीद दिवस आयोजित

कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले 154 पुलिसकर्मियों को किया नमन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा की खातिर अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति में बुधवार को छठवीं प्रशिक्षण वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल (विसबल), जबलपुर में पुलिस शहीद स्मृति दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर देशभर में शहीद हुए 154 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस के उन नौ जवानों को भी याद किया गया, जिन्होंने वर्ष 2025-26 के दौरान कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा थे। उनके वाहिनी परिसर पहुंचने पर जिला पुलिस बल और विशेष सशस्त्र बल के प्लाटूनों ने सलामी दी। इसके बाद 67वें पुलिस शहीद स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर जवानों को नमन किया गया।



इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज अतुल सिंह, पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय और छठवीं वाहिनी के सेनानी सिद्धार्थ चौधरी ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुलिस शहीद स्मृति दिवस का इतिहास 21 अक्टूबर 1959 की उस घटना से जुड़ा है, जब पूर्वी लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक गश्ती दल पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया था। इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के 10 वीर जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। इन जवानों की शहादत की स्मृति में जनवरी 1960 में दिल्ली में आयोजित पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। तभी से यह दिन उन पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए समर्पित है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा और कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कार्यक्रम के दौरान एडीजी प्रमोद वर्मा ने वर्ष 2025-26 में शहीद हुए मध्यप्रदेश पुलिस के नौ जवानों के नामों का वाचन किया। साथ ही देशभर में शहीद हुए 154 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके अदम्य साहस, समर्पण और राष्ट्रसेवा को याद किया। उन्होंने कहा कि पुलिस शहीद स्मृति दिवस उन वीर जवानों को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्यपथ पर चलते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को देश और समाज की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को श्रीफल और शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के त्याग, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बंगाली परंपरा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ दुर्गा महोत्सव : महिलाओं ने खेली 'सिंदूर खेला'

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

संस्कारधानी जबलपुर के अधारताल स्थित रविंद्र नगर में विजयादशमी का पर्व धार्मिक आस्था, पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यहाँ आयोजित बंगाली परंपरा अनुसार दुर्गा पूजा महोत्सव के अंतिम दिन माँ दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के साथ ही पाँच दिवसीय दुर्गोत्सव का भक्तिमय समापन हो गया। इस दौरान बंगाली समुदाय सहित स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। विजयादशमी के अवसर पर विसर्जन से पूर्व महिलाओं ने बंगाली संस्कृति की अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक परंपरा 'सिंदूर खेला' की रस्म निभाई। लाल-पाड़ साड़ियों में सजी महिलाओं ने सबसे पहले माँ दुर्गा के चरणों में सिंदूर अर्पित कर उनसे अखंड सौभाग्य, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद माँगा। इसके पश्चात महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर पर्व की शुभकामनाएँ दीं। पारंपरिक ढाक की थाप और 'उलूध्वनि' (शंख व मुख से निकाली जाने वाली पवित्र ध्वनि) के बीच पूरा पूजा पंडाल लाल रंग और भक्ति के उल्लास में सराबोर हो गया। पूजा-अर्चना और सिंदूर खेला की रस्म पूर्ण होने के बाद माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा को विसर्जन यात्रा के लिए सजाया गया। 'मां अगामी बोछोर आबार अशो' (माँ दुर्गा अगले वर्ष फिर आना) के जयकारों और नम आँखों के साथ श्रद्धालुओं ने जगत जननी माँ दुर्गा को अंतिम विदाई दी। निर्धारित विसर्जन स्थल पर पूर्ण धार्मिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया। आयोजन समिति का रहा सराहनीय योगदान रविंद्र नगर के इस पूरे आयोजन को सुचारू और भव्य रूप से संपन्न कराने में पूजा समिति का विशेष योगदान रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुजीत लोध एवं सचिव प्रदीप दे मजूमदार की देखरेख व कुशल मार्गदर्शन



में सभी धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुए। समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सीएम हेल्पलाइन : निराकरण में जबलपुर प्रदेश में अव्वल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में जबलपुर ने सितंबर माह की ग्रेडिंग में प्रदेश के सभी 55 जिलों में पहला स्थान हासिल किया है। जिले ने प्रथम समूह के ए रेटिंग वाले जिलों में भी शीर्ष स्थान प्राप्त किया। लोकसेवा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी ग्रेडिंग में जबलपुर को 88.46 वेटेज अंक मिले। इससे पहले जुलाई 2023 में भी जिला प्रथम समूह के ए रेटिंग वाले जिलों में अव्वल रहा था। सितंबर में जिले को 14,148 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 88 प्रतिशत से अधिक का निराकरण आवेदकों की संतुष्टि के साथ किया गया। शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के लिए निर्धारित 60 अंकों में से जिले को 52.91 अंक मिले, जबकि 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण में 20 में से 15.67 अंक प्राप्त हुए। प्रथम समूह के जिलों में दतिया 88.15 अंकों के साथ दूसरे और उज्जैन 86.41 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने इस उपलब्धि पर सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने भविष्य में भी आम लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने और इसी तरह निरंतर प्रयास जारी रखने के निर्देश दिए।मध्य प्रदेश में नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और संतुष्टिपूर्ण समाधान के मामले में जबलपुर जिले ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रशासनिक अधिकारियों और मैदानी अमले की सक्रियता, नियमित समीक्षा तथा आम जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के चलते जबलपुर ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। शिकायतों का समय पर निपटारा सुनिश्चित हो रहा है।

कैट टीम ने लोक निर्माण मंत्री से भेंट कर जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर-भोपाल-इंदौर औद्योगिक कॉरिडोर को मंजूरी मिलने पर कैट (कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) टीम जबलपुर ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से उनके सिविल लाइंस स्थित निवास पर भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। टीम ने इस निर्णय को महाकौशल क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया।

इस अवसर पर कैट जिला अध्यक्ष राजीव बड़ेरिया, कैट प्रदेश महामंत्री जितेंद्र पचौरी, संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी, संभागीय महामंत्री राजा सराफ, प्रदेश संरक्षक संदेश जैन, प्रदेश मंत्री रोहित खटवानी, महिला विंग कोऑर्डिनेटर सीमा सिंह चौहान, महिला विंग जिला अध्यक्ष नम्रता भाटिया, निखिल पावा, संजय चड्ढा, राजा नामदेव, पिंकी जैन, प्रवीण गुलाटी, मनोज जसाटी, तरुण अग्रवाल, आशीष इंदुरखया, कमल चिरोलिया, विवेक गोस्वामी, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, संदीप भूरा, राजपाल बजाज, मेवा लाल चिरोलिया, ओमप्रकाश अग्रवाल , संजय जैन गल्ला मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, आदि मौजूद रहे।

नर्मदा महोत्सव में सुरक्षा, यातायात और पार्किंग के पुख्ता इंतजाम के निर्देश

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

नर्मदा महोत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने 24 और 25 अक्टूबर को होने वाले आयोजन के दौरान सुरक्षा, यातायात और पार्किंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। पुलिस, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, पर्यटन, जिला पंचायत और राजस्व विभाग को आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा गया। अतिथि कलाकारों के ठहरने, खानपान, परिवहन और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी भी संबंधित विभागों को सौंपी गई।

कलेक्टर ने बाहर से आने वाले कलाकारों और अतिथियों को जबलपुर की विशेषताओं, स्वच्छता व्यवस्था और विकास कार्यों से परिचित कराने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को होटल एसोसिएशन के साथ बैठक कर महोत्सव के दौरान अतिथियों के लिए किराये में रियायत देने का आग्रह करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य और विद्युत विभाग को आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने तथा पार्किंग और आवागमन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। महोत्सव में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के खाद्य पदार्थों और हस्तनिर्मित वस्तुओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग को आकर्षक रंगोली बनाने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। शहर की स्वच्छता, वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत उपचारित जल की गुणवत्ता जैसी उपलब्धियों की जानकारी अतिथियों तक पहुंचाने के लिए फोटोग्राफ उपलब्ध कराने को कहा गया। बैठक में नगर निगम कमिश्नर अग्रिम कुमार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सिंह गहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दशहरा चल समारोह का समरसता सेवा संगठन द्वारा मालवीय चौक पर भव्य स्वागत किया गया

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

दशहरा चल समारोह का समरसता सेवा संगठन एवं मालवीय चौक मित्र मंडल द्वारा मालवीय चौक पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंच के माध्यम से रामलीला में भगवान श्रीराम एवं देवी प्रतिमाओं का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। समरसता सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन, संगठन अध्यक्ष पवन पांडे एवं सचिव मनोज सेठ के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने भगवान श्रीराम एवं देवी प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।दशहरा चल समारोह के स्वागत कार्यक्रम में राजीव राठौर, अनिल सोनी, राजेश रोहरा, राजेश ठाकुर, अरुण अग्रवाल, विक्रम परवार, महेंद्र रघुवंशी, सौरभ श्रीवास्तव, संतोष झारिया, अभिषेक तिवारी, देशराज



सिंह, आलोक पाठक, धीरज अग्रवाल, श्रीकान्त साहू, परमवीर सिंह, सौरभ यादव, अजय सोनकर, अजय साहू, पवन साहू, मनोज सराफ, रवि शर्मा, अजय यादव, राहुल दुबे, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गाड़ी टकराने जैसी मामूली बात ने हिंसक संघर्ष का रूप ले लिया

गाड़ी टकराने के विवाद में चली गोली, युवक के पेट में लगी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गाड़ी टकराने जैसी मामूली बात ने हिंसक संघर्ष का रूप ले लिया। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के लमेटा घाट इलाके में हुए विवाद के दौरान एक युवक पर गोली चला दी गई। गोली पेट में लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर उनकी तलाश तेज कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चेरीताल निवासी 20 वर्षीय ऋतिक बारी,



पिता राजेश बारी, बीती रात लमेटा घाट क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान गोरखपुर-रामपुर निवासी राहुल उर्फ काला, निक्की और राम रैकवार के साथ उसकी गाड़ी टकराने को लेकर विवाद हो गया। शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर तीनों युवकों ने ऋतिक पर फायरिंग कर दी। गोली उसके पेट में लगी और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। अचानक हुई गोलीबारी से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।गोली लगने से घायल ऋतिक को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर भेड़ाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना के पीछे की परिस्थितियों और विवाद के क्रम की भी जांच की जा रही है।

25 प्रतिमाएं शामिल हुई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं

गढ़ा में 25 प्रतिमाओं के साथ निकला दशहरा जूलूस, रामलीला मैदान में रावण दहन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गढ़ा गोंडवाना का ऐतिहासिक दशहरा चल समारोह गुरुवार को अपनी परंपरा, भव्यता और धार्मिक वैभव के साथ निकाला गया। श्री रामलीला समिति गढ़ा के नेतृत्व में संकट मोचन मंदिर, गौतम गंज से रात्रि 7 बजे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं हनुमान जी के पूजन-अर्चन के साथ चल समारोह का शुभारंभ हुआ। ढोल-नगाड़ों की गूंज, बैंड की धुन, दुलदुल घोड़ी का नृत्य, आकर्षक झांकियों और आतिशबाजी के बीच निकले इस भव्य समारोह में 25 प्रतिमाएं शामिल हुई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू सहित रामलीला समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, दशहरा चल समारोह अध्यक्ष अजय तिवारी धतुरहा, समिति अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित, राकेश पाठक, लोकराम कोरी, मनोज पाटकर एवं संकट मोचन मंदिर समिति के सदस्यों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं हनुमान जी का पूजन-अर्चन किया। अतिथियों के



स्वागत के पश्चात जय श्रीराम के उद्घोष के साथ शोभायात्रा आगे बढ़ी। श्री रामलीला समिति की ओर से निकाली गई झांकियों में रथ पर विराजमान भगवान शिव, श्रीराम-रावण युद्ध का जीवंत दृश्य, नौ देवियों की झांकी तथा रावण, मेघनाद एवं कुंभकरण के विशाल पुतले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। आधुनिक विद्युत सज्जा से सुसज्जित झांकियों और आतिशबाजी ने समारोह की भव्यता में चार चांद लगा दिए। मेजर बीटी तिराहे पर विभिन्न झांकियों एवं देवी प्रतिमाओं के एक साथ सम्मिलित होने से चल समारोह ने विराट स्वरूप धारण कर लिया। ऐतिहासिक शोभायात्रा शुक्ला नगर से प्रारंभ होकर एकता चौक, मेजर बीटी तिराहा, आनंदकुंज, पंडा की मढ़िया, त्रिपुरी तिराहा एवं देवताल होते हुए गढ़ा रामलीला मैदान पहुंची। पूरे मार्ग में जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रामलीला मैदान में परंपरानुसार भगवान श्रीराम द्वारा रावण, कुंभकरण एवं मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। चल समारोह में मंडल अध्यक्ष प्रणय गुप्ता, पार्षद प्रिया संजय तिवारी, पूजा श्रीराम पटेल, मनीष महेश पटेल, सनातन धर्म महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, कोषाध्यक्ष गुलशन माखिजा, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, हरीश मनोध्याय, नीलेश चौबे, पंकज अवस्थी, देवेंद्र मनोध्याय, मदन गोपाल पटेल, भूपेंद्र उपाध्याय, भोलाराम खत्री, सह-निर्देशक मोती शिवहरे, व्यास माधव दुबे, राकेश मिश्रा, राजेश नेमा, केदार शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

जीवाजी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 16 को



ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में 16 नवंबर को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। समारोह को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न समितियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने समितियों के अध्यक्षों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक, अन्य स्वर्ण पदकों के वितरण, मेरिट, उपाधि वितरण, ध्वनि सयोजन, स्वागत समिति, आमंत्रण पत्र कार्ड,दीक्षांत समारोह की पोशाक, खानपान, सुरक्षा और पार्किंग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। कुलगुरु ने संबंधित समितियों को सौंपे गए दायित्वों के अनुरूप तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि समारोह के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। 15 और 16 नवंबर को विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही सामान्य पार्किंग और वीआईपी पार्किंग की व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई।

बालक-बालिका फुटबाल प्रतिभा खोज कार्यक्रम 25 को



ग्वालियर। मध्य प्रदेश फुटबाल संघ के निर्देशानुसार टाइगर कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इंडिया खेलो फुटबाल के माध्यम से बालक एवं बालिका फुटबाल प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन 25 अक्टूबर को सुबह 7 बजे जेसी मिल्स फुटबाल ग्राउंड, बिरला नगर में किया जाएगा। ग्वालियर डिस्ट्रिक्ट फुटबाल एसोसिएशन के सचिव विनय कदम ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों के बालक एवं बालिकाओं की प्रतिभा पहचान एवं चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। मध्य प्रदेश फुटबाल संघ द्वारा यह प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क रखी गई है। अधिक जानकारी एवं अन्य आवश्यक विवरण के लिए कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर रोहित यादव, राजवर्धन भौसले और राहुल यादव से संपर्क किया जा सकता है।

किसानों को मानक बीज के लिये बीज नमूने लेकर जाँच के लिये भेजे



ग्वालियर। रबी मौसम में जिले के किसानों को मानक बीज व खाद उपलब्ध कराने के लिये विभिन्न बीज विक्रेताओं व फर्मों से लगातार नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग सह जिला स्तरीय बीज नमूना संग्रहण अधिकारी द्वारा विभिन्न फर्मों पर भण्डारित अलग-अलग बीज उत्पादक संस्थाओं के सरसों, मटर व अन्य फसलों के बीजों के नमूने लेकर बीज परीक्षण प्रयोगशाला में जाँच के लिये भेजे गए हैं। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीज विक्रेता फर्म मयंक बीज भण्डार सरद बाजार मुरार से सरसों की विभिन्न किस्म, श्री महालक्ष्मी एग्रो एजेंसी गंज मुरार से सरसों व मटर, गणेश ट्रेडिंग कंपनी गंज मुरार से सरसों एवं न्यू गंभीर बीज भण्डार सदर बाजार मुरार से सरसों की विभिन्न किस्मों के बीज नमूने लेकर जाँच के लिये प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

शहर की हरियाली सुव्यवस्थित बनी रहे

प्रमुख मार्गों के डिवाइडरों को स्वच्छ और आकर्षक बनाने में जुटा नगर निगम

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा प्रमुख मार्गों के डिवाइडरों एवं सड़क किनारे स्थित हरित क्षेत्रों के रखरखाव के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार नगर निगम के उद्यान विभाग द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर नियमित साफ-सफाई, पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई तथा हरियाली को व्यवस्थित करने का कार्य कराया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों को स्वच्छ एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के साथ-साथ हरित क्षेत्रों का उचित रखरखाव सुनिश्चित करना और नागरिकों को स्वच्छ एवं बेहतर शहरी वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके तहत डिवाइडरों पर उगे पौधों एवं पेड़ों की व्यवस्थित कटाई-छंटाई कराई जा रही है, जिससे मार्गों की सुंदरता बढ़ने के साथ ही हरियाली का बेहतर स्वरूप बनाए रखा जा सके। इसी क्रम में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर, उपायुक्त श्री मुकेश बंसल एवं पार्क अधीक्षक श्री भूपेंद्र सासोड़े के निर्देशन में उद्यान निरीक्षकों एवं उद्यान पर्यवेक्षकों की टीमों द्वारा विभिन्न प्रमुख मार्गों पर कार्य कराया गया। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों एवं डिवाइडरों के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि शहर की हरियाली सुव्यवस्थित बनी रहे और ग्वालियर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित शहर बनाने के प्रयासों को गति मिल सके। 'इन प्रमुख मार्गों पर कराया गया कार्य' उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत सागर ताल चौराहा से चार शहर का नाका मार्ग रोड डिवाइडर पर पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई एवं साफ-सफाई कराई गई। उद्यान पर्यवेक्षक दिनेश कुशवाहा द्वारा उधम सिंह चौराहे से सनसिटी रोड डिवाइडर पर हरियाली को व्यवस्थित करने तथा साफ-सफाई का कार्य कराया गया। उद्यान पर्यवेक्षक श्री सुभाष शाक्य द्वारा कटोरा ताल रोड रोड डिवाइडर की सफाई एवं पौधों की कटाई-छंटाई कराई गई। उद्यान पर्यवेक्षक राजकुमार नागर द्वारा तानसेन होटल से राजमाता गोलंबर तक डिवाइडर पर पेड़ों की कटाई-छंटाई एवं साफ-सफाई का कार्य कराया गया।

नगर निगम ग्वालियर की विशेष पहल आपके घर की अनुपयोगी वस्तु से किसी जरूरतमंद की होगी आवश्यकता पूर्ण

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम ग्वालियर द्वारा दीपावली पर्व के अवसर पर घरों से निकलने वाले बड़े अनुपयोगी सामान के पुर्नउपयोग को लेकर 21 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक एक विशेष अभियान ''स्वच्छ दिवाली 01 रूपए वाली'' चलाया जाएगा। जिसमें नागरिक अपने नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय पर अपने घर का पुर्नउपयोग होने वाला सामान जमा करा सकते हैं। सभी सामग्री को एकत्रित कर उसकी रिपेयरिंग कर 01 रूपए में जरूरतमंद व्यक्ति को दिया जाएगा। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषन में ''स्वच्छ दिवाली 01 रूपए वाली'' चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीपावली के अवसर पर शहर के प्रत्येक घर से अनुपयोगी सामग्री कचरे के रूप में बाहर निकाली जाती है, जिससे शहर की सड़कों पर काफी कचरा होता है। इसको लेकर नगर निगम ग्वालियर द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं को रिड्यूस, रीसाइकिल एवं रीयूज के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति के लिए उपयोग में लाया जा सके। इसके लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा विधानसभा वार एक विशेष वाहन चलाया जाएगा। जिसके माध्यम से घर घर जाकर अनुपयोगी सामान को एकत्रित किया जाएगा साथ ही आम नागरिक अपने घर से निकलने वाली ऐसी सामग्री अपने नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय पर स्वयं जमा करा सकते हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों पर एकत्रित सभ सामग्री को 3 आर सेंटर फूलबाग पर पुर्नउपयोग हेतु तैयार किया जाएगा। इसके उपरांत दीपावली पश्चात अभियान चलाकर शहर के जरूरतमंद लोगों को 01 रूपये में एक वस्तु के आधार पर एक व्यक्ति को पांच वस्तुऐं उपलब्ध कराई जाऐंगी।

कॉमरेड रामचंद्र सरवटे के स्मृति दिवस के अवसर पर उनके त्याग और बलिदान की झलकियां

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



कॉम सरवटे के नाम से विख्यात ग्वालियर जिले की भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1942 के प्रमुख संस्थापक सदस्य का पूरा नाम रामचंद्र- अनंत सरवटे है , मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर कॉम सरवटे का जन्म 1912 मे किसान परिवार में जिला सागर मध्य प्रदेश के जैसीनगर में हुआ था। कॉम सरवटे 1921 में गांधी जी के आवाहन पर असहयोग आंदोलन में पढ़ाई छोड़कर सन 1929- 30 में जब देश में आजादी का आंदोलन गांधी जी के नेतृत्व में व्यक्तिगत सत्याग्रह के रूप में चल रहा था।देश में चल रहे आजादी के आंदोलन की चिंगारी ग्वालियर में भी आ चुकी थी ।कॉम सरवटे विदेशी कपड़ा सबॉयकॉटस आंदोलन में शामिल हो गए। विदेशी कपड़ा बॉयकाट आंदोलन के परिणाम स्वरूप नगर के नौजवान लड़के कॉम सरवटे के साथ जुड़ गए । शुरू में गांधीवादी आंदोलन से प्रभावित कॉम सर्वटे पर उस समय देश में जोर पकड़ रहा क्रांतिकारी आंदोलन के हिसात्मक प्रतिरोध ने जबरदस्त प्रभाव डाला खासकर पब्लिक सेफ्टी बिल, ट्रेड यूनियन बिल, ट्रेड सेफ्टी बिल जिसे पार्लियामेंट में पेश किया गया था, के विरोध में सरदार भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त के संसद में बम फेंकने की घटना ने उन्हें झकजोर दिया। परिणाम स्वरुप 1929 मे नौजवान सहयोगियो को साथ लेकर उन्होंने एक ग्रुप तैयार किया।

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पटवारी ने शीतला माता हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर बंधाया ढांढस

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज ग्वालियर पहुंचकर शीतला माता मंदिर के पास हुए हृदयविदारक सड़क हादसे में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ढांढस बंधाया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर शोकाकुल परिवारों से भेंट की तथा इस कठिन समय में उनके प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की।

इस दौरान राज्यसभा सांसद अशोक सिह, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, विधायक साहब सिंह गुर्जर, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, प्रवीण पाठक, राहुल शर्मा आदि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के साथ रहे।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में शीतला माता मंदिर परिसर में हुए हादसे के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान श्री पटवारी ने अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से उनके समुचित उपचार के संबंध में चर्चा की। उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएँ और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 17 वर्षीय नाबालिग से युवक ने दुष्कर्म किया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के जनकगंज थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 17 वर्षीय नाबालिग से युवक ने दुष्कर्म किया । जनकगंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 8 जून 2026 को ग्वालियर में रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग की इंस्टाग्राम आईडी पर विकल्प शर्मा नाम के युवक की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। नाबालिग ने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली, जिसके बाद दोनों के बीच चैटिंग शुरू हुई और जल्द ही बातचीत फोन तक पहुंच गई। आरोप है कि युवक ने अपनी बातों और प्यार के झांसे में लेकर किशोरी का भरोसा जीत लिया। पुलिस में दिए गए लिखित आवेदन के अनुसार, 16 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11 बजे विकल्प ने किशोरी को नई सड़क स्थित होटल शारदा में मिलने के लिए बुलाया। नाबालिग जब वहां पहुंची, तो आरोपी ने होटल के एंट्री रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराया, लेकिन पीड़िता के असली नाम की जगह किसी दूसरी लड़की का नाम लिखवाया। आरोपी को अच्छी तरह पता था कि किशोरी नाबालिग है और यदि उसका असली नाम या दस्तावेज दिए गए तो पोल खुल जाएगी। इसके बाद वह उसे जबरन ऊपर के एक कमरे में ले गया और मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर जिले के बिलौआ थाना क्षेत्र अंतर्गत झांसी-ग्वालियर हाईवे पर जौरासी के पास एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार एक बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान भारत माहोर (55 वर्ष), निवासी पीपरीपुरा आंतरी के रूप में हुई है। वह अपने साथी दिलीप (45 वर्ष), पुत्र भगवानदास के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर ग्वालियर से अपने घर लौट रहे थे। जब वे बिलौआ थाना क्षेत्र के अंतर्गत जौरासी के पास पहुँचे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार भारत माहोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लान के नाम पर वसूला जा रहा 500 से 1000 रुपए

आरटीओ की वसूली के खिलाफ ट्रक चालकों का हाईवे पर हंगामा, ढाई घंटे जाम

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्य प्रदेश के डबरा में ग्वालियर-झांसी हाईवे (एनएच-44) पर कथित अवैध वसूली के विरोध में ट्रक चालकों ने करीब ढाई घंटे तक चक्काजाम किया। होटल रंगे पंजाब के सामने ट्रक चालकों ने अपने वाहन सड़क पर खड़े कर दिए, जिससे हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। चालकों का आरोप है कि आरटीओ की गाड़ी ट्रक और कंटेनर रोककर चालान के नाम पर 500 से 1000 रुपए मांगती है। रोज-रोज की कथित वसूली से परेशान चालकों ने इसे बंद करने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, पंजाब और हरियाणा के कुछ ट्रकों को रोके जाने और रुपए मांगे जाने के बाद विवाद शुरू हुआ। इसके विरोध में चालकों ने अपने वाहन हाईवे पर खड़े कर दिए। देखते ही देखते दूसरे ट्रक चालक भी उनके समर्थन में आ गए और जाम लगा दिया। चालकों का दावा है कि विरोध शुरू होने के बाद आरटीओ की गाड़ी मौके से चली गई। हरियाणा के ट्रक चालक सलीम खान ने आरोप लगाया कि उनसे 500 रुपए लिए गए। उन्होंने वसूली का वीडियो बनाने की कोशिश की तो उनका मोबाइल छीन लिया गया। सलीम के मुताबिक, रोजाना की इस कथित वसूली से परेशान होकर चालकों ने चक्काजाम किया। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने उनका मोबाइल वापस दिलवाया और रुपए भी लौटवा दिए।

आवेदन देने के बाद चालक जाम खोलने के लिए तैयार हुए। चक्काजाम की सूचना मिलने पर डबरा थाना प्रभारी संजय शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक चालकों से बातचीत की। चालकों ने कथित वसूली बंद कराने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी। इसके बाद एसडीओपी सौरभ कुमार अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने चालकों से बातचीत कर उन्हें समझाया, जिसके बाद करीब ढाई घंटे से जारी चक्काजाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल कराया गया। एसडीओपी सौरभ कुमार के अनुसार, आरटीओ की कथित वसूली और चालक का मोबाइल छीनने के आरोपों के चलते जाम लगाया गया था। चालकों से आवेदन लेकर जाम खुलवा दिया गया है। मामले में कार्रवाई के लिए क्रञ्झह्व को कहा गया है।

संपादकीय

फॉर्म छह का अवैध इस्तेमाल

अभी तो चुनाव आयोग को सर्वोच्च अदालत के सवालों के जवाब देने हैं, लेकिन उसके भीतर ही नए, गंभीर विरोधाभास उभर आए हैं। ताजातरीन मामला महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम का है। उन्होंने चुनाव आयोग को सुझाव भेजा है कि फॉर्म 6 से नए मतदाता के लिए शब्द हटा दिए जाएं, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मतदाताओं के दोबारा पंजीकरण के लिए भी फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, जबकि घोषित, कानूनी रूप से फॉर्म 6 उन्हीं से भरवाया जाना चाहिए, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार मतदाता बन रहे हों। जिन पुराने मतदाताओं के नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान छूट गए अथवा काट दिए गए, उनसे भी फॉर्म 6 भरवा कर गलत घोषणा कराई जा रही है कि वे पहली बार मतदाता बन रहे हैं। वे इससे पहले कभी भी मतदाता नहीं रहे। यही गंभीर, कानूनी विरोधाभास है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के मुताबिक, फॉर्म 6 में गलत घोषणा करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मतदाता को 1 साल की जेल हो सकती है। जुमार्ने का भी प्रावधान है। जेल और जुमार्ने की सजाएं एक साथ भी दी जा सकती हैं। विरोधाभास के साथ सवाल भी है कि चुनाव आयोग फॉर्म 6 की व्यवस्था बदल नहीं रहा और एक राज्य के सीईओ सरीखे शीर्ष अधिकारी ने मौजूदा शब्दावली और व्यवस्था को गलत, अवैध करार देते हुए उसे बदलने का प्रस्ताव भेजा है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव कर सकता है? क्या पुराने मतदाताओं से भी, दोबारा पंजीकरण के लिए, फॉर्म 6 जबरन भरवाया जा रहा है? फॉर्म 8 के जरिए ये पंजीकरण क्यों नहीं किए जा रहे? दरअसल चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव नहीं कर सकता।

उसके लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है। यदि मामला ज्यादा पेचीदा और संवैधानिक दर्जे का है, तो संसद के पटल पर प्रस्ताव पेश और पारित कराया जा सकता है। अब फॉर्म 6 की शब्दावली बदलने और संलग्न हलफनामे को हटाने का नया बवाल उभर आया है, तो चुनाव आयोग को मंथन करना पड़ेगा। चूंकि सर्वोच्च अदालत ने भी आयोग से हलफनामे के जरिए स्पष्टीकरण मांग रखा है कि फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र नत्थी करने का आदेश कब और किसने दिया? क्या यह फैसला तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से लिया अथवा सीईसी का ही फैसला था? इनके जवाब प्रमाण सहित देने पड़ेंगे, लिहाजा पुरानी शब्दावली हटाने का जोखिम भी आयोग नहीं ले सकता। अंततः गंभीर और संवैधानिक सवाल है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के जरिए देश के 17 राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम नए सिरे से जोड़े जा रहे हैं, क्या उन्हें फॉर्म 6 के जरिए ही पंजीकृत किया जा रहा है? यह प्रक्रिया पूर्णतः अवैध है। चुनाव आयोग की लंबी खामोशी से समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, लिहाजा सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्तों को एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धुंध को साफ करना चाहिए। आयोग देश से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं है। उसे अपनी छवि और प्रतिष्ठा की रक्षा करनी चाहिए। अभी तक एसआईआर में करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। उनमें करीब 2.80 करोड़ दिवंगत हो चुके हैं। यह छंटनी अपरिहार्य है। शेष 10.57 करोड़ नाम मतदाता सूचियों में फिर जोड़े जा सकते हैं, यह हमारा भरोसा है, क्योंकि एक भी नागरिक को मताधिकार के संवैधानिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इनमें करीब 6.30 करोड़ मतदाता शिफ्ट माने जा रहे हैं।

वे देश में कहीं और स्थानांतरित हो गए होंगे, क्या नई जगह उनका वोट बना है? महाराष्ट्र के सीईओ का यह सुझाव भी है कि ऐसे मामलों में मतदाता के पुराने एपिक नंबर का इस्तेमाल करने की भी अनुमति दी जाए। यह एपिक मतदाता पहचान पत्र पर अंकित होता है। दरअसल एसआईआर प्रक्रिया ही एक मजाक साबित हुई है। उस पर रोक लगा देनी चाहिए, क्योंकि एसएसआर ही पर्याप्त है। सवालिया यह भी है कि सर्वोच्च अदालत ने अभी तक इस संवैधानिक समस्या पर कोई फैसला लेकर आयोग को आदेश क्यों नहीं दिया? क्या 27-28 अक्तूबर वाली तारीख पर ऐसी कोई पहल की जा सकती है?

भारत के विकास पुरुष, संगठन महारथी अमित शाह



सत्येंद्र कुमार जैन

पवित्र ग्रंथ श्रीमद् भागवत गीता में लिखा गया है कि -

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो आचरण करते हैं,अन्य मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। श्रेष्ठ मनुष्य जो कुछ प्रमाण देते हैं,अन्य मनुष्य उसी के अनुसार आचरण करते हैं।

भारत के सबसे अधिक समय तक गृह मंत्री होने का कीर्तिमान रचने वाले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उन्हीं श्रेष्ठ मनुष्यों की श्रेणी में आते हैं।उन्होंने अपने तप से, त्याग से, कर्तव्य निष्ठा से, संगठन निष्ठा से, कृतित्व से, अखंड प्रचण्ड पुरुषार्थ से प्रमाणित किया है। मन,वचन,काय से कर्तव्य पालन हेतु सर्वस्व समर्पण भाव से सिद्ध किया है।उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के मन मस्तिष्क में, हृदय प्रदेश में अमिट छाप छोड़ी है। 22 अक्टूबर 1964 को मुंबई में गुजराती परिवार में जन्मे अमित शाह की प्रारम्भिक शिक्षा, गुजरात में अपने दादा के घर मानसा में हुई। उनको भारतीय शास्त्रों ,व्याकरण तथा महाकाव्य का अध्ययन भी बचपन में कराया गया। भारतीय दर्शन के प्रति उनकी अध्ययनशीलता उनके संभाषणों में समय-समय पर प्रकट होती रहती है उनके जीवन में उनकी माँ श्रीमती कुसुम बेन का विशेष प्रभाव रहा है। उन्हें खादी और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की प्रेरणा माता से प्राप्त हुई है।

आपातकाल के पश्चात 1977 में जब आम चुनाव हो रहे थे,तब 13 वर्ष के अमित शाह मेहसाणा लोकसभा सीट से प्रत्याशी रही सरदार वल्लभभाई पटेल की बेटी मणि बेन पटेल के लिए गलियों में पोस्टर,स्टीकर लगाने निकल पड़ते थे।इसी समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनका जुड़ाव हुआ।राष्ट्रवाद,सेवा समर्पण,तप और त्याग के भाव का बीजारोपण हुआ। 1980 में 16 वर्ष की आयु में वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े।1982 में उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गुजरात का संयुक्त सचिव भी बनाया गया।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के 1984 में नारायणपुर वार्ड में सांघवी बूथ के एजेंट के रूप में कार्य किया। 1987 में वह भाजपा युवा मोर्चा से जुड़े ।अध्ययन शील होने के कारण 80 के दशक में दीनदयाल शोध संस्थान से उनका लगाव रहा। वे राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के निकट रहे,उनसे सीखने का अवसर भी प्राप्त हुआ। 1989 में भाजपा के अहमदाबाद के नगर सचिव बने। 1995 में अमित शाह को गुजरात प्रदेश के वित्त विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया।उन्होंने निगम की आर्थिक स्थिति को सशक्त किया। घाटे में चल रहे निगम को 214 प्रतिशत का लाभ हुआ। उन्होंने अनेक नवाचार जैसे पट्टा क्रय विक्रय, कार्यशील पूंजी अवधि लोन और ट्रक लोन प्रदान किए।

वर्ष 1997 में अमित शाह को भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कुछ समय बाद ही गुजरात की सरखेज विधानसभा के उपचुनाव में पार्टी द्वारा उन्हें प्रत्याशी बनाया गया।वह पहली बार 25000 से अधिक वोटो से जीतकर विधायक बने। वह निरंतर 2017 तक विधानसभा के सदस्य रहे हैं ।अमित शाह 36 वर्ष की आयु में 2002 में अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के सबसे युवा अध्यक्ष बने। बैंक को घाटे से निकालकर मुनाफे में ले आए।

वर्ष 2001 में उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय सहकारिता प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया गया।वह वर्ष 2002 से 2010 तक गुजरात सरकार में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हैं।उन्होंने खेलों को भी बढ़ावा दिया। सर्वप्रथम अहमदाबाद के प्राथमिक विद्यालय में शतरंज का प्रयोग किया,जिससे बच्चों के मानसिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके सुझाव पर गुजरात के समस्त प्राथमिक स्कूलों में सुझाव को लागू किया ।उन्होंने क्रिकेट को भी बढ़ावा दिया वर्ष 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन का उपाध्यक्ष बनाया गया। 2013 में उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया एवं उत्तर प्रदेश राज्य का प्रभार दिया गया। 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी को 73 सीटों पर विजय श्री प्राप्त हुई।इस महा विजय के सूत्रधार अमित शाह रहे हैं। मुझे भी उनके साथ विमर्श करने का अवसर प्राप्त हुआ है।उनसे वर्ष 2013 में भाजपा संवाद प्रकोष्ठ के मध्य प्रदेश के प्रदेश सह संयोजक रूप में संवाद प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समय राष्ट्रीय कार्यालय में भेंट हुई। उनका राष्ट्रव्यापी सूक्ष्म दर्शी एवं वृहद दृष्टिकोण,समर्पण और कर्तव्य निष्ठ मार्गदर्शन आज भी प्रेरणा देता है।फिर अनेक बार भाजपा संवाद प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रूप में उनसे दिल्ली प्रवास के समय मार्गदर्शन मिलता रहा। जुलाई 2014 में अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए।उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में महा सदस्यता अभियान संचालित कर भारतीय जनता पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाया। 11 करोड़ से अधिक सदस्य देश भर में बनाए गए। अनेक नवाचार उनके द्वारा किए गए। अनेक विभागों और प्रकल्पों को बनाया गया। कार्यालय ,पुस्तकालय और ई पुस्तकालय पर उन्होंने विशेष जोर दिया । भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अगस्त 2017 में उनका भोपाल आगमन हुआ। वह प्रदेश कार्यालय में अनेक दिन रहे।उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यकताओं में नेतृत्व विकास, समूह संवाद, स्वाध्याय हेतु पुस्तकालय का शुभारंभ किया। मुझे भी उस अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य डॉक्यूमेंटेशन प्रकल्प के प्रमुख दिनेश जैन के साथ प्राप्त हुआ था।आज भाजपा के लगभग 2000 कार्यालय देश भर में बन रहे हैं या बन चुके हैं।वह वर्ष 2017 में गुजरात से राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल में भाजपा को सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीत अर्जित हुई। 303 सीट जीतीं। 2019 में उन्हें केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में दायित्व सौंपा गया। सर्वप्रथम उन्होंने 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से धारा 370 और आर्टिकल 35 अ को निष्प्रभावी किया। जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के संकल्प को पूरित किया।एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सिद्ध किया।कश्मीर घाटी में शांति और प्रगति के रास्ते को खोला है। अलगाववाद और आतंकवाद पर कार्रवाई की है।

अमित शाह : संगठन, रणनीति व दृढ़ निश्चय के अद्वितीय शिल्पकार

जन्मदिवस पर विशेष



सुरेश पचौरी



देश के यशस्वी गृह मंत्री श्री अमित शाह की भारतीय राजनीति में पहचान एक ऐसे रणनीतिकार की है, जिन्होंने संगठन निर्माण, चुनावी प्रबंधन और राष्ट्रीय नीति निर्धारण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक लंबे अर्से से सामंजस्य बनाते हुए उन्होंने सत्ता और संगठन के बीच ऐसा समन्वय स्थापित किया, जिससे भारतीय जनता पार्टी की राजनैतिक यात्रा को नई दिशा मिली तथा चतुर्दिक व्यापक जनाधार प्राप्त हुआ। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की पहचान उसके पद से आगे बढ़कर उसके निर्णयों, संगठनात्मक क्षमता, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव से निर्मित होती है।

भारतीय राजनीति में श्री अमित शाह की पहचान संगठन निर्माण, चुनावी रणनीति, प्रशासनिक निर्णयों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों से जुड़ी रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विश्वसनीय सहयोगी के रूप में उनकी राजनीतिक यात्रा ने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। संगठनात्मक जिम्मेदारियों से लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण दायित्वों तक का उनका सफर उनकी राजनीतिक कार्यशैली, रणनीतिक सोच और नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं को सामने लाता है।

व्यक्तित्व में अध्ययन, कार्यशैली में अनुशासन

श्री अमित शाह से मेरी पहली मुलाकात का प्रसंग आज भी स्मृति पटल पर अंकित है। दिल्ली स्थित उनके निवास पर चर्चा के दौरान उनकी स्मरणशक्ति और सामाजिक-राजनैतिक विषयों की गहरी समझ ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उनसे मिलकर मुझे जो सुखद अनुभूति हुई, उसका सार तत्व यह है कि उनकी कार्यशैली गहन अध्ययन और सुविचारित रणनीति पर आधारित है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह का वैचारिक समन्वय

श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह का वैचारिक समन्वय गुजरात से विकसित होकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की उल्लेखनीय सफलता ने श्री अमित शाह को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली चुनावी रणनीतिकार के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद विभिन्न राज्यों में पार्टी के विस्तार और चुनावी अभियानों के प्रबंधन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रही।

गुजरात से शुरू हुई श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह की बेमिसाल जोड़ी का राजनैतिक समन्वय आज राष्ट्रीय राजनीति में बानगी बन चुका है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने नेतृत्व कौशल और जनविश्वास से व्यापक राजनैतिक आधार तैयार किया, वहीं दूसरी ओर गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संगठनात्मक विस्तार और चुनावी रणनीति के माध्यम से उसे मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगठन निर्माण : भाजपा के विस्तार की आधारशिला

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री अमित शाह ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। सदस्यता अभियान का विस्तार, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी, नियमित जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। पन्ना प्रमुख जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से संगठनात्मक जिम्मेदारियां निर्धारित करने की प्रक्रिया को विशेष महत्व मिला।

उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में भाजपा ने देश के अनेक राज्यों में अपना आधार विस्तृत किया और सदस्यता के लिहाज से विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। यह उपलब्धि व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकर्ता-भागीदारी और निरंतर चुनावी सक्रियता का परिणाम थी और इस दूरदर्शी सोच के उन्नायक श्री अमित शाह थे।

गृह मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण निर्णय

केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में अमित शाह के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और विधायी निर्णय हुए। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रावधानों में बदलाव और जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा। तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगाने वाला कानून तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम भी उनके कार्यकाल के प्रमुख निर्णयों में शामिल हैं। राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

भारत की एकता, अखंडता और अक्षुणता की दृष्टि से लिए गये ये महत्वपूर्ण निर्णय श्री अमित शाह के गृहमंत्रित्व काल की प्रमुख उपलब्धियों में शुमार हैं. आज हम देख रहे हैं कि मजबूत भारत बनाने की दिशा में ये कदम मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा, नक्सलवाद का सफाया और नशे के खिलाफ अभियान

देश में आतंकवाद की जड़ों को समूल नष्ट करने, आंतरिक सुरक्षा को मजबूती देने, वामपंथ प्रेरित उग्रवाद से मुकाबला करने, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बनाने में श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में कामयाब मिली। गृह मंत्री के रूप में वे अपने उत्तरदायित्व का जिस सक्षमता और दृढ़ता से निर्वहन कर रहे हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व और श्री अमित शाह के निर्देशन में विशेष सुरक्षा बलों, पुलिसकर्मियों के सफल प्रयासों से नक्सलवाद के दंश से देश को मुक्ति मिली है। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और सुनियोजित नक्सल-विरोधी रणनीति सफल हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशन में एक सशक्त पहल करते हुए 31 मार्च, 2026 से नशे के खिलाफ तीन वर्ष का देशव्यापी अभियान चलाने का लक्ष्य तय किया गया है।

सहकारिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में भी श्री अमित शाह की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का संबंध कृषि, दुग्ध उत्पादन, ग्रामीण ऋण व्यवस्था और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से रहा है। सहकारी संस्थाएं किसानों, छोटे उत्पादकों और ग्रामीण समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सफल माध्यम रही हैं।

रणनीतिक कौशल, स्पष्ट लक्ष्य और दृढ़ निर्णय क्षमता

श्री अमित शाह की राजनैतिक कार्यप्रणाली पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट है कि उनमें संगठनात्मक अनुशासन कायम रखने और राष्ट्र हित में कड़ा-से-कड़ा निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ उनका दीर्घकालीन वैचारिक समन्वय, भारतीय जनता पार्टी संगठन के व्यापक विस्तार में उनका योगदान और गृह मंत्री के रूप में उनके द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय देशहित में रहे हैं।

22 अक्टूबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ और यशपूर्ण जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

22 अक्टूबर से रानी कमलापति और 25 अक्टूबर से अगरतला स्टेशन से नए ट्रेन नंबर के साथ नियमित संचालन

अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अब नियमित एक्सप्रेस के रूप में चलेगी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर भारत के बीच रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की दिशा में रेलवे ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यात्रियों की सुविधा और बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब नियमित साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में संचालित किया जाएगा। इससे मध्य प्रदेश से त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों को नियमित रेल सेवा का लाभ मिलेगा। वर्तमान में ट्रेन संख्या 01665/01666 से संचालित यह स्पेशल ट्रेन अब ट्रेन संख्या 11665/11666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। ट्रेन संख्या 11665 का नियमित संचालन 22 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक गुरुवार को रानी कमलापति स्टेशन से तथा ट्रेन संख्या 11666 का संचालन 25 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक रविवार को अगरतला स्टेशन से प्रारंभ होगा। यह ट्रेन मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा को रेल मार्ग से जोड़ेगी। अपने निर्धारित मार्ग पर यह नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, पटना क्षेत्र, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, गुवाहाटी, बदरपुर जंक्शन और धर्मनगर सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इस ट्रेन के नियमित संचालन से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और पर्यटकों को लंबी दूरी



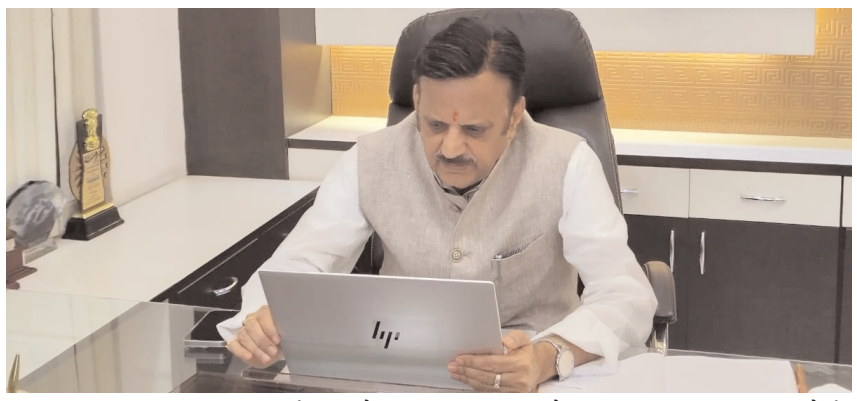
की यात्रा के लिए सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। साथ ही, मध्य प्रदेश से पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों तक आवागमन सुगम होगा और पर्यटन एवं व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच की संशोधित संरचना निर्धारित है। इसमें 08 स्लीपर, 02 सेकेंड एसी, 01 थर्ड एसी इकोनॉमी, 05 थर्ड एसी, 04 सामान्य श्रेणी के कोच तथा 01 एलएलआरडी और 01 जनरेटर कार शामिल हैं। इससे यात्रियों को अपनी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में यात्रा का विकल्प मिलेगा। यात्री ट्रेन की समय-सारणी एवं सीटों की उपलब्धता की जानकारी एनटीईएस, रेलवन ऐप अथवा भारतीय रेल की आधिकारिक पूछताछ सेवाओं से प्राप्त कर सकते हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों की बढ़ती मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए अगरतला के लिए चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब नियमित एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में चलाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सीट आरक्षण और आवागमन में बड़ी सहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, स्पेशल ट्रेन के रूप में चल रही इस सेवा को यात्रियों का शानदार प्रतिसाद मिल रहा था। इसी को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने इसे स्थायी एक्सप्रेस ट्रेन का दर्जा देने की स्वीकृति दी है। ट्रेन की मुख्य विशेषताएं और समय-सारणी नियमित संचालनः अब यह ट्रेन अपने निर्धारित दिवसों पर नियमित समय-सारणी के अनुसार संचालित होगी। कोच व्यवस्थाः ट्रेन में एसी श्रेणी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी (जनरल) के डिब्बे उपलब्ध रहेंगे। स्टॉपेज व रूटः ट्रेन के पुराने सभी प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव और रूट पहले की तरह ही यथावत रहेंगे। यात्रियों के लिए ध्यान देने योग्य बातःनियमित एक्सप्रेस बनने के बाद ट्रेन संख्या और टिकटिंग सिस्टम में हुए बदलावों की जानकारी यात्री रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, ह्वज्ञश्वर ऐप या 139 हेल्पलाइन नंबर के जरिए प्राप्त कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने की रीवा जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

चिकित्सक निर्धारित मुख्यालय में निवास करने के साथ समय पर ओपीडी संचालित करें: शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सिविल अस्पतालों में पदस्थ मेडिकल ऑफीसर्स के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने ओपीडी संचालन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चिकित्सकों को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर मिले। ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ अपने निर्धारित मुख्यालय में निवास करें तथा पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ मरीजों का समुचित उपचार करें। अस्पतालों में आने वाले मरीजों को वहाँ किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के



सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और जवाबदेही के साथ करें। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बंधपत्र चिकित्सक अनिवार्य रूप से अपने निर्धारित मुख्यालय में निवास करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। स्वास्थ्य संस्थाओं के परिसर में स्वच्छता बनाए रखें। आवश्यक एवं जीवनरक्षक औषधियों का समुचित भंडारण सुनिश्चित करें। दवाओं की उपलब्धता पर सतत निगरानी रखें। चिकित्सकों का व्यवहार एवं आचरण मरीजों के प्रति संवेदनशील, सहयोगात्मक और सम्मानजनक होना चाहिए।, प्रत्येक चिकित्सक मरीजों से प्रभावी संवाद स्थापित करे। उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समुचित उपचार करें। स्वास्थ्य संस्थाओं में अनावश्यक संलग्नीकरण समाप्त कर मानव संसाधन का उपयोग निर्धारित कार्यस्थल पर करें। अस्पतालों में पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज का समुचित परीक्षण, आवश्यक जांच, उपचार एवं रेफरल की व्यवस्था निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं। नए एवं पूर्व से कार्यरत स्टाफ को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी दें तथा जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से समय-समय पर प्रशिक्षण एवं संवेदीकरण सुनिश्चित करें, जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उप मुख्यमंत्री ने रीवा जिले में शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की निगरानी, सुरक्षित प्रसव तथा नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल पर विशेष ध्यान दें। सभी अस्पतालों के प्रभारी अपने कार्यक्षेत्र में विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त हितग्राहियों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करें। सूचीबद्ध मरीजों को उनकी बीमारी के अनुरूप जांच, उपचार, आवश्यक दवाएं एवं फॉलोअप की सुविधा उपलब्ध कराते हुए शत-प्रतिशत उपचार सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करें।

बिजली चोरी एवं अवैध कनेक्शन के विरुद्ध कार्रवाई, 15 प्रकरण दर्ज



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि के कारण विच्छेदित विद्युत कनेक्शनों को अवैध रूप से पुनः जोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रायसेन जिले के बरेली एवं ओबैदुल्लागंज संभाग में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान कुल 15 व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 138 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जांच के दौरान बरेली संभाग में 6 तथा ओबैदुल्लागंज संभाग में 9 ऐसे मामले सामने आए, जिनमें उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा किए बिना और कंपनी की अनुमति के बिना विच्छेदित विद्युत कनेक्शन पुनः जोड़ लिए गए थे।

विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बकाया राशि का भुगतान कर नियमानुसार ही विद्युत कनेक्शन पुनः संयोजित कराएं। कंपनी की अनुमति के बिना विच्छेदित कनेक्शन जोड़ना दंडनीय अपराध है।

ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में मनमानी, 13,571 की जगह मिल रहे 5,500 रुपये

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान में भारी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि एक ही तरह का काम करने वाले कर्मचारियों को अलग-अलग जिलों में अलग-अलग वेतन दिया जा रहा है। निर्धारित 13,571 रुपये के मासिक वेतन के बजाय कई कर्मचारियों को महज 5,500 रुपये का भुगतान किए जाने की शिकायत है। इससे कर्मचारियों मे रोष देखने को मिल रहा है। सबसे ज्यादा गड़बड़ियों की शिकायत स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी बताई जा रही है। अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में आउटसोर्स के माध्यम से काम करने वाले कर्मचारियों को वेतन के नाम पर कम राशि मिलने से नाराजगी बढ़ रही है। कर्मचारियों का आरोप है, ठेका एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत के कारण निर्धारित वेतन का पूरा लाभ संविदा कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में जिलेवार अंतर ने भुगतान व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्धारित वेतन 13,571 रुपये है, तो 5,500 रुपये भुगतान किए जाने पर बाकी राशि कहां जा रही है, इसकी जांच जरूरी है।



हालांकि, वास्तविक देय वेतन का निर्धारण संबंधित पद, लागू सरकारी आदेश और वैधानिक कटौतियों के आधार पर किया जाना चाहिए। कर्मचारियों ने मांग की है कि सरकार सभी जिलों में आउटसोर्स एजेंसियों के भुगतान रिकॉर्ड की जांच कराए। बैंक खातों में जमा वेतन, उपस्थिति रजिस्टर और एजेंसियों को किए गए भुगतान का मिलान किया जाए। दोषी एजेंसियों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये. कर्मचारियों को बकाया राशि दिलाई जाए। सवाल यह है कि कर्मचारियों के शोषण की शिकायतों पर जिम्मेदार विभाग कब कार्रवाई करेगा?

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 'सबको पक्का मकान' उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

विजयादशमी पर 3,615 परिवारों को पक्के मकान की सौगात, हुआ गृह-प्रवेश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों और प्रतिबद्धता के फलस्वरूप विजयादशमी के अवसर पर प्रदेश के 3,615 शहरी परिवारों को उनके स्वयं के पक्के मकान की सौगात मिली है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी' के अंतर्गत राज्य शासन के कुशल नेतृत्व में जुलाई 2026 से 18 अक्टूबर 2026 की अवधि में इंदौर संभाग में 964, जबलपुर संभाग में 565, सागर संभाग में 534, उज्जैन संभाग में 547, भोपाल संभाग में 464, ग्वालियर संभाग में 208, नर्मदापुरम् संभाग में 177, रीवा संभाग में 104, चंबल संभाग में 32, शहडोल संभाग में 20 के साथ कुल 3,615 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया, जिनमें हितग्राहियों का विधि-विधान



से गृह-प्रवेश कराया गया। पावन पर्व के विशेष अवसर पर अपने सपनों का घर मिलने से हितग्राही परिवारों में अत्यंत हर्ष का वातावरण रहा। यह उपलब्धि प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा योजना के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन का ही परिणाम है। राज्य शासन द्वारा शहरी क्षेत्रों के जरूरतमंद नागरिकों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति दी जा रही है। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा और गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने से ही यह लक्ष्य हासिल हो सका है। राज्य सरकार की इस जन-कल्याणकारी पहल से हितग्राहियों को पक्की छत के साथ-साथ नल-जल, बिजली और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाएँ भी सुनिश्चित की जा रही हैं। दशहरे के शुभ अवसर पर सम्पन्न हुआ यह गृह-प्रवेश कार्यक्रम हितग्राहियों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और सामाजिक सशक्तीकरण लाने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार की एक और महत्वपूर्ण सफलता है।

अवकाश की सुविधा ऑनलाइन हो...ई-अटेंडेंस का भी समाधान करें

लोक शिक्षण को ज्ञापन सौंप शिक्षक संगठन ने आयुक्त से ऐप लॉगिन 5 घंटे निर्धारित करने की मांग

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य प्रदेश में ई-अटेंडेंस प्रक्रिया के दौरान शिक्षकों को आ रही व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं के निराकरण की मांग उठी है। मध्य प्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षक ऐप में जरूरी सुधार करने, लॉगिन-लॉगआउट के समय में बदलाव करने और तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं होने पर वेतन नहीं काटने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। उपेन्द्र कौशल ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों, आवागमन की कठिनाइयों और नेटवर्क की समस्या के कारण शिक्षकों को ई-अटेंडेंस दर्ज करने में परेशानी होती है। ऐसे में प्रणाली को सरल, पारदर्शी और तकनीकी रूप से विश्वसनीय बनाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि तकनीकी खामियों के कारण शिक्षकों को मानसिक और आर्थिक परेशानी न हो। संगठन ने सामान्य विद्यालयों में ई-अटेंडेंस के लिए लॉगिन का समय सुबह 9:30 से 11 बजे तक और लॉगआउट का समय शाम 4 से 6 बजे तक निर्धारित करने की मांग की है। सुबह की पाली में संचालित विद्यालयों के लिए लॉगिन का समय सुबह 6:30 से 8 बजे तक करने का आग्रह किया गया है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों की परिस्थितियों और आवागमन संबंधी



दिक्कतों को देखते हुए ई-अटेंडेंस के लिए निर्धारित 6 घंटे की अवधि घटाकर 5 घंटे करने की मांग भी की गई है। सभी अवकाश की ऑनलाइन सुविधा मिले शिक्षक संगठन ने शिक्षक ऐप में सभी प्रकार के अवकाश की प्रविष्टि और उपयोग की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही, पहले से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आधे दिन का अवकाश लेने की सुविधा भी देने को कहा है, ताकि आकस्मिक और व्यक्तिगत जरूरतों के समय शिक्षकों को परेशानी न हो। ऑन-ड्यूटी की प्रक्रिया सरल करने की मांग ज्ञापन में शासकीय कार्यों, प्रशिक्षण, बैठकों और विभागीय दायित्वों के दौरान ऑन-ड्यूटी की स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि अनावश्यक जटिलताओं को समाप्त कर ऐसी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जिससे विभागीय कार्यों के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति संबंधी समस्या न आए। तकनीकी खामी पर वेतन नहीं काटने की मांग संगठन ने मांग की है कि नेटवर्क, सर्वर या ऐप में तकनीकी खराबी के कारण ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं होने पर विद्यालय की उपस्थिति पंजी और संस्था प्रमुख द्वारा प्रमाणित अभिलेखों के आधार पर शिक्षक की उपस्थिति मान्य की जाए। केवल तकनीकी त्रुटि के कारण किसी शिक्षक का वेतन नहीं रोका जाए और न ही उसमें कटौती की जाए। उपेन्द्र कौशल ने लोक शिक्षण संचालनालय से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शिक्षक ऐप में आवश्यक संशोधन करने और संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। संगठन का कहना है कि इससे शिक्षकों को राहत मिलेगी और विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।



ध्वनि प्रदूषण याददाश्त को करता है कमजोर

स्कूल जाते समय बच्चों के स्कूल रूट में ज्यादा ट्रैफिक होने से बच्चों की मेमोरी कमजोर होती है। हेल्थ के शोधकर्ताओं ने 38 स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों पर किए शोध में यह बात सामने आई है। 7 से 10 साल के 2,680 बच्चों पर हुए इस शोध में सामने आया कि बाहरी शोर के स्तर में 5 डेसिबल की भी वृद्धि होती है तो याददाश्त क्षमता 11.5% कम हो जाती है। वहीं, कठिन कामों को करने की क्षमता का विकास भी 23.5% तक प्रभावित होता है।

इसके चलते पढ़ाई पर फोकस 4.8 % तक घट जाता है। भविष्य में ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए स्कूलों को ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए जहां शोर व ट्रैफिक कम हो। भविष्य में ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए स्कूलों को ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए जहां शोर व ट्रैफिक कम हो। इस शोध के लेखक ने बताया कि हमारी रिसर्च इस थ्योरी का समर्थन करता है कि बचपन एक कमजोर अवधि है।

ध्वनि प्रदूषण किशोरावस्था से पहले होने वाले याददाश्त क्षमता के विकास की प्रक्रिया को धीमा करता है। भविष्य में इसे देखते हुए स्कूलों को ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए जहां शोर व ट्रैफिक कम हो। बाहरी और अंदर के शोर की तुलना में शोधकर्ताओं ने पाया कि शोर वाले खेल के मैदानों वाले स्कूलों में बच्चों ने सभी परीक्षणों में खराब प्रदर्शन किया। हालांकि, शोरगुल वाली कक्षाएं केवल बच्चों के ध्यान को प्रभावित करती हैं, न कि उनकी मेमोरी को।

अध्ययन के प्रमुख ने कहा कि इस खोज से पता चलता है कि कक्षा के अंदर का शोर औसत डेसिबल स्तर से ज्यादा होने पर न्यूरोडेवलपमेंट के लिए खतरा साबित हो सकता है।

हेल्थ के शोधकर्ताओं ने 38 स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों पर किए शोध में यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर प्राइमरी केयर रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 9 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों पर किए शोध में पाया कि ज्यादा वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और ट्रैफिक वाले क्षेत्र में रहने वाले बच्चों में मोटे होने की संभावना अधिक होती है।

स्टाइलिश और ट्रेंडी सनग्लासेज़

क्या आप भी सनग्लासेज की शॉपिंग करते वक्त कनफ्यूज रहते हैं कि किस तरह के गॉगल्स चेहरे पर अच्छे लगेंगे और कौन से गॉगल्स ट्रेंड में हैं साथ ही जो धूप से भी बचाएं? तो आज हम आपको ऐसे ही कुछ ट्रेंडिंग सनग्लासेज के डिजाइन्स के ऑप्शन्स बताएंगे जो न सिर्फ आपको धूप से बचाएंगे बल्कि आपकी पर्सनैलिटी पर भी जंचेंगे।

स्टाइलिश एविएटर्स
ये सनग्लासेज ट्रेंड में इन हैं। और हर एक पर्सनैलिटी को सूट करते हैं। दिखने में स्टाइलिश लगने वाले एविएटर्स अलग-अलग कलर्स में मार्केट में अवेलेबल हैं। डार्क ग्रीन, ब्लू, ग्रे और ब्लैक एविएटर्स की डिमांड सबसे ज्यादा है। और गर्मियों के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है।

ओवरसाइज्ड सनग्लासेज
ओवरसाइज्ड सनग्लासेस काफी समय से फैशन में इन है। हां इनके फ्रेम्स में एक्सपेरिमेंट्स देखने को मिलते रहते हैं। राउंड की जगह ज्योमिट्रिक, स्क्वॉयर शेप के फ्रेम ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल वेफेरर्स
वेफेरर्स चश्मे खासतौर पर उन लोगों के लिए बने होते हैं जो ट्रैवल करते हैं। पहले इनका फैशन उतार और चढ़ाव में था, लेकिन अब ये आज के फैशन में फिट होते हैं। इनकी खास बात यह है कि ये हर चेहरे पर अच्छे लगते हैं।

कलरफुल फ्रेम
इस बार भी चश्मों के कलर्स में कैंडी कलर्स की बहार देखने को मिल रही है। लाल पीले, हरे, नीले पूरी तरह से कैंडी कलर्स का रंग आपके चश्मे के साथ आपको भी कूल लुक देगा। जितना अलग रंग होगा, उतना ही फैशन के करीब माना जाएगा।



वेलवेट फ्रेम सनग्लासेज
वेलवेट चश्मों पर हर किसी की नजर होती है। ये कई शेड्स में स्टोर पर मौजूद होते हैं। इस तरह का चश्मा आप किसी भी ड्रेस पर पहन सकते हैं।



हेयर फॉल के लिए फायदेमंद है सरसों का तेल

बालों के लिए सरसों के तेल का इस्तेमाल आज से नहीं बल्कि दादी-नानी मां के जमाने से किया जा रहा है। आपने नोटिस किया होगा तो देखा होगा कि बुढ़ापे में भी उनके बालों की चमक, लंबाई, मोटाई वैसी ही नजर आती थी जैसे जवानी में। लेकिन आजकल की लाइफ में देखरेख की कमी के अलावा अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल से भी बालों की क्वॉलिटी पर बहुत असर पड़ा है। तो अगर आप भी हेयर फॉल, डैंड्रफ, रफ एंड डल हेयर जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं तो इनसे छुटकारा पाने के लिए सरसों के तेल में मिलाकर लगाएं ये सारी चीज़ें और फिर देखें इसका जादू।



सरसों तेल के साथ दही
- बालों की लंबाई के हिसाब से सरसों तेल लेकर उसमें दही मिक्स करें।
- दोनों ही चीजों को अच्छी तरह पहले फेंट लें।
- स्कैल्प और बालों की लंबाई तक लगाकर अच्छे से लेकिन हल्का जूड़ा बना लें। टॉवेल से लपेटकर 30-40 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद इसे किसी माइल्ड शैंपू से धो लें।
- ये पैक लगाने के बाद बालों में अलग ही चमक और सॉफ्टनेस नजर आती है।

सरसों के तेल के साथ एलोवेरा जेल
- एक बाउल में सरसों का तेल और एलोवेरा जेल मिक्स करें।
- पूरे बालों में इस पेस्ट को अच्छी तरह लगाएं।
- एक घंटे तक इस पेस्ट को बालों मे लगाकर रखें फिर शैंपू और कंडीशनर लगाकर धो लें।
- ये पेस्ट बालों की डैमेजिंग रोकता है।

सरसों के तेल के साथ नींबू का रस
- एक बाउल में सरसों का तेल, नींबू का रस और मेथी पाउडर की समान मात्रा एक साथ मिक्स करें।
- बालों में इसे लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद शैंपू कर लें। लगातार इस्तेमाल से बालों की क्वॉलिटी सुधरने लगेगी।
- सेंसिटिव स्कैल्प के लिए तो ये पैक बहुत ही ज्यादा फायदेमंद है।

सरसों के तेल के साथ केला
- पके हुए केले और सरसों के तेल को एकसाथ मिक्स करें।
- इसमें आप चाहें तो दही भी मिक्स कर सकती है।
- इस पैक को स्कैल्प के साथ ही बालों की पूरी लंबाई में भी लगाना है।
- बेहतर रिजल्ट के लिए हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें।

ट्राई करें मैंगो रबड़ी कुल्फी



सामग्री :
आम का गूदा, कटे हुए आम, केसर, दूध कॉर्नफ्लोर, फुल क्रीम मिल्क, शक्कर, इलायची

कैसे बनाएं?
घर पर मैंगो रबड़ी कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले गर्म दूध में केसर को कुछ देर के लिए भिगो कर रख दें और इसे अच्छे से मिक्स करें। अब एक कटोरी में कॉर्न फ्लोर और पानी को अच्छे से मिक्स करें और एक तरफ रख दें। अब एक पैन में दूध गर्म करें और फिर इसे मीडियम आंच पर कम से कम 7 से 8 मिनट के लिए गर्म करें। अब कॉर्न फ्लोर के पानी और शक्कर को मिलाएं और फिर धीमी आंच पर पकने दें। इसे धीमी आंच पर करीब 15 से 20 मिनट के लिए पकाना है। ध्यान रखें की बीच-बीच में इसे चलाते रहें. 20 मिनट के बाद आंच को बंद करें और फिर इसे ठंडा होने दें। जब तक आप रबड़ी तैयार करें। इसे बनाने के लिए आप दूध को गर्म करें और धीमी आंच पर इसे पकने दें। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें शक्कर मिलाएं। और रबड़ी को तैयार करें। अब आपका मिश्रण अच्छे से ठंडा हो गया होगा तो इसमें आम का गूदा, केसर का दूध, और इलायची पाउडर डाल दें और अच्छे से मिक्स करें। अब कुल्फी बनाने के सांचे में आम कुल्फी का गूदा डालें और फिर इसमें रबड़ी डालें फिर दोबारा इसे आम मिश्रण से कवर करें। अब इसे फ्रिज में रात भर के लिए रख दें। अब खाने से पहले सांचे को बाहर निकानें और फिर लकड़ी की स्टिक को इसके सेंटर में डालें और कुल्फी को बाहर निकालें।



जीवन मंत्र : बच्चे बड़ों से ही सीखते हैं संस्कार

ईश्वरचंद विद्यासागर ज्ञान का भंडार थे और इस वजह से उन्हें विद्यासागर की उपाधि दी गई थी। जब उन्हें अपनी पहली कमाई मिली तो वे सोने के कंगन बनवाकर अपनी मां के पास पहुंचे। उनकी माता भगवती देवी ने कंगन देखे तो विद्यासागर ने कहा, 'मां आपको याद होगा।

जब मैं छोटा था तो अपने घर एक गरीब महिला कुछ मांगने के लिए आई थी। आपने उसे थोड़े से चावल दिए थे। उस समय मैंने आपसे कहा था कि इससे उसका काम नहीं चलेगा। आपने अपने कंगन उतारकर उसे दे दीजिए। वह उस गरीब महिला के लिए ज्यादा काम का रहेगा। आपने कंगन उतारकर मुझे दे दिए थे। मैंने उस समय आपसे कहा था कि जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो आपके लिए नए कंगन बनवा दूंगा। आज मैं आपके लिए कंगन ले आया हूं।'

उस समय मां भगवती देवी ने कहा, 'मुझे भी याद है और तुझे भी याद है, लेकिन एक बात तू भूल रहा है। मैंने ये भी कहा था कि जब समर्थ हो जाओ तो गरीबों के लिए दो काम जरूर करना। शिक्षा केंद्र बनाना और उनके स्वास्थ्य के लिए अस्पताल बनवाना। आज तुम बहुत विद्वान हो, समाज सुधारक हो। लोग तुम्हारी बात सुनते हैं। अब मेरी उम्र कंगन पहनने की नहीं है। इन कंगन की जगह तू कलकत्ता में ये दो काम कर दे।' बाद में ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने ये दोनों काम किए थे।

सीख- मां-बेटे की इस बातचीत में हमारे लिए संदेश है। माता-पिता अगर ऐसे अच्छे विचार रखेंगे तो उनकी संतानें समाज में राष्ट्र में अद्भुत काम करेंगे। संस्कार माता-पिता के आचरण से मिलते हैं, किसी स्कूल-कॉलेज से नहीं मिलते।

जरा-सा काम करने में ही हो जाती है थकान?

खाने में शामिल करें ये चीजें, बॉडी में दिनभर रहेगी एनर्जी



भागदौड़ भरी लाइफ में आजकल थकान बहुत ही आम सी समस्या हो गई है। अगर आप सुबह उठते ही खुद को थका हुआ महसूस करते हैं, तो आरको अपने खानपान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। थकान को दूर करने के लिए आप कुछ फूड्स अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। जी हां थकान की वजह थाली में कुछ चीजों की कमी हो सकती है। इसलिए थकान महसूस होने पर अपने खानपान पर जरूर ध्यान दें। चलिए हम यहां आपको बताएंगे कि थकान होने पर आपको किन चीजों को अपनी थाली में शामिल कर लेना चाहिए? थकान होने पर थाली में शामिल करें ये चीजें-

पालक- पालक विटामिन बी और आयरन का स्त्रोत होती है। इसका सेवन करने से आपकी बॉडी में फुल एनर्जी आ जाती है जो थकान को कम करने का काम करता है। जी हां गहरे रंग की यह पत्तेदार सब्जी बॉडी की ऊर्जा बढ़ाने में मददगार है। बता दें बॉडी में आयरन की की के कारण थकान महसूस हो सकती है इसलिए अपने खाने की थाली में पालक को जरूर शामिल करें।

केला- केला पोटेशियम से भरपूर होता है। अगर आप थका हुआ महसू कर रहे हैं तो आप केले का सेवन करें। ऐसा इसलिए क्योंकि केला खाने से आपकी बॉडी में तुरंत एनर्जी मिलती है। इसलिए केले का सेवन रोजाना जरूर करना चाहिए।

अंडा- अंडा एक बेहतरीन स्त्रोत है जो बॉडी को निरंतर ऊर्जा प्रदान करने का काम करता है। अगर आप अंडा खाते हैं तो थकान महसूस होने पर इसका सेवन कर सकते हैं। आप अंडे को उबालकर भी खा सकते हैं।

दलिया- तुरंत ऊर्जा बढ़ाने के लिए दलिए का सेवन किया जा सकता है। दलिया में कार्ब्स होते हैं जो बॉडी को एनर्जी देने का काम करते हैं।

चेहरे का निखार दोगुना कर देती हैं खूबसूरत पलकें

आंखें हमारे चेहरे का सबसे खूबसूरत हिस्सा होती हैं। वहीं यदि आंखों की पलकें घनी और लंबी हो, तो आंखे बहुत सुंदर लगती हैं। हालांकि, कई बार धूल, प्रदूषण और केमिकल्स के कारण पलकें कमजोर हो जाती है और ज्यादा टूटने लगती है। वहीं कुछ लोगों की पलकों हमेशा से पतली ही होती है। इस वजह से लोग नकली पलकों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये काफी फेक नजर आती हैं। ऐसे में अपनी आंखों की सुंदरता को बनाए रखने के लिए और पलकों को घना करने के लिए कुछ नेचुरल उपायों को अपनाया जा सकता है, जिससे वे हमेशा ही स्वस्थ और घनी बनी रहें।

पलकों को लंबा और घना बनाने के घरेलू उपाय

अरंडी का तेल- अरंडी का तेल पलकों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें विटामिन-ई और फैटी एसिड होते हैं, जो बालों को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसलिए हर रात सोने से पहले पलकों



पर हल्के हाथों से अरंडी का तेल लगाएं। इससे पलकों की जड़ें मजबूत होती हैं और उनके विकास की गति तेज होती है।

नारियल तेल- नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट्स और फैटी एसिड होते हैं, जो पलकों को पोषण देते हैं और उन्हें घना बनाते हैं। इसलिए रोजाना सोने से पहले थोड़ी मात्रा में नारियल तेल को पलकों पर लगाकर धीरे-धीरे मसाज करें। इससे पलकों को नमी मिलती है और उनका बेहतर तरीके से विकास होता है।

WhatsApp में इस ट्रिक से करें पर्सनल चैट्स को हाइड



WhatsApp काफी पॉपुलर इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप है। इससे पर कई लोगों के पर्सनल चैट्स भी होते हैं। लेकिन, जब आप किसी को फोन देते हैं तो आप नहीं चाहते हैं कि वो आपके किसी पर्सनल चैट्स को देखें। ऐसे में आप उसे WhatsApp पर हाइड कर सकते हैं। इसके अलावा आप गैर-जरूरी चैट्स को भी हाइड कर सकते हैं। इससे ऐप की होम-स्क्रीन पर आपको ऐसे चैट्स नहीं दिखेंगे।

इसके लिए आपको Archived Chats फोल्डर फीचर का यूज करना होगा। Archived Chats में नए मैसेज आने के बाद भी ये चैट की मेन लिस्ट में नजर नहीं आएगा। WhatsApp की मेन लिस्ट में ये Archived Chats तभी दिखेंगे जब आप इसे मैन्युअली अनअर्काइव करेंगे। इस फीचर को कंपनी ने कुछ समय पहले जारी किया था। पहले Archived Chats में नया मैसेज आने पर चैट मेन लिस्ट में आ जाता था। यहां पर आपको WhatsApp चैट्स को हाइड करने का पूरा तरीका स्टेप बाय स्टेप बता रहे हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले मोबाइल में WhatsApp को ओपन करना होगा। ऐप ओपन हो जाने के बाद उस चैट को होल्ड करके रखें जिसे आप Archived करना चाहते हैं। चैट होल्ड करके रखने से आपको टॉप बार में Archive का एक बटन दिखाई देगा। इस बटन पर क्लिक करके आप सेलेक्टेड चैट को अर्काइव कर सकते हैं। आप सभी वॉट्सऐप चैट्स को भी Archived कर सकते हैं। इसके लिए चैट पर टैप करके आप More Options पर जाना होगा। इसके बाद आपको सेटिंग में जाना होगा। फिर आपको चैट्स पर टैप करना होगा। यहां से आपको चैट हिस्ट्री में जाना होगा। चैट हिस्ट्री में जाने के बाद Archive all chats पर क्लिक कर दें। आपको बता दें अगर कोई आपको Archived चैट में टैग करता है तो आपको इसका नोटिफिकेशन मिलेगा।

कोहनी और घुटने के कालापन को ऐसे करें दूर

शरीर में हार्मोन असंतुलन, तेज धूप, घर्षण यानी फ्रिक्शन, त्वचा संबंधी बीमारी, डेड स्किन के चलते कोहनी और घुटनों और अंडर आर्म्स पर कालापन आ जाता है। विशेषज्ञों की मानें तो शरीर में विटामिन की कमी के चलते भी ऐसी समस्या होती है। इसके लिए हमेशा संतुलित आहार लेना चाहिए। वहीं, जोड़ों के घर्षण यानी जॉइंट्स फ्रिक्शन को कम करने की कोशिश करनी चाहिए। इससे कोहनी, अंडर आर्म्स और घुटनों के कालेपन को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा, आप कोहनी और घुटनों के कालेपन को दूर करने के लिए इन घरेलू उपायों को जरूर अपनाएं-



हल्दी
प्राचीन समय से हल्दी को खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। हल्दी का उपटन लगाने से चेहरे पर निखार आता है। वहीं, घुटनों और कोहनी के कालेपन को दूर करने में भी हल्दी सहायक है। इसके लिए एक चम्मच दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर घुटने और कोहनी पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से मसाज करें। फिर, गर्म पानी से धो लें।

नारियल तेल
नारियल तेल सेहत के लिए वरदान साबित होता है। यह कोहनी और घुटनों के कालेपन को भी दूर करता है। इसके लिए रोजाना नहाने के बाद नारियल तेल लगाएं। इसके बाद कुछ देर तक मसाज करें। इससे कोहनी और घुटनों का कालापन दूर होता है।

एलोवेरा
त्वचा के लिए एलोवेरा रामबाण है। इसके इस्तेमाल से त्वचा में एक्स्ट्रा निखार आता है। इसमें एंटी-बैक्टिरियल और एंटी-फंगल के गुण पाए जाते हैं, जो घुटनों और कालेपन को दूर करने में सहायक होते हैं। इसके लिए रोजाना रात में सोने से पहले एलोवेरा और दूध मिलाकर त्वचा पर लगाएं। अगली सुबह को सामान्य पानी से धो लें। इससे घुटनों और कोहनी का कालापन दूर होता है।

आलू
कोहनी और घुटनों के कालेपन को आलू के रस से दूर किया जा सकता है। इसके लिए आलू को कद्दूकस कर उसका रस निचोड़ लें। अब रस को कोहनी और घुटनों पर लगाएं। कुछ देर बाद धो लें। इसके बाद कोहनी और घुटनों या अंडर आर्म्स पर मॉइश्चराइज़र लगाएं।



ऑलिव ऑयल और चीनी के स्क्रब से दूर होंगी त्वचा की कई समस्याएं

ऑलिव ऑयल, चीनी और हल्दी के स्क्रब से आप चेहरे को साफ करने के साथ ही त्वचा को बेदाग बना सकते हैं। इस स्क्रब से दाग धब्बे दूर होते हैं। इसका पेस्ट बनाने के लिए आप आधा कप ऑलिव ऑयल लें और उसमें करीब दो चम्मच चीनी मिला दें। इसके बाद आप इसमें चुटकी हल्दी मिला दें। ध्यान दें कि ज्यादा हल्दी का उपयोग न करें। इससे त्वचा में पीलापन आ सकता है। इस पेस्ट को चेहरे पर मसाज करते हुए हल्के हाथों से लगाएं। करीब 10 से 15 मिनट बाद चेहरे को वॉश कर लें। इस स्क्रब को बनाने के लिए आप करीब आधा कप ऑलिव ऑयल ले लें। इसके बाद इसमें करीब दो चम्मच चीनी मिला लें। इसके मिश्रण को आप अच्छी तरह मिक्स करें। जब ये दोनों चीजें मिल जाए तो इसमें विटामिन ई की दो टैबलेट को घोल दें। इससे बाद आपको स्क्रब तैयार है। इस स्क्रब को चेहरे पर सर्कुलर मोशन पर मसाज करते हुए लगाएं। करीब दस मिनट तक चेहरे पर इससे मसाज करें। कुछ देर बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें। ऑलिव ऑयल और चीनी के स्क्रब में आप ग्रीन टी का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपने ग्रीन टी के बारे में सुना ही होगा। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के साथ ही एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो त्वचा से झांइयां और एक्ने को दूर करने के काम करती हैं। इसे बनाने के लिए आप करीब आधा कप ऑलिव ऑयल में दो बड़े चम्मच चीनी मिलाएं। इसके बाद ऊपर से ग्रीन टी का एक बैग खोलकर इसमें डाल दें। अब इससे आप चेहरे को एक्सफोलिएट कर सकते हैं। चेहरे पर करीब 20 मिनट तक लगाएं।

शहीदों को सलामी देकर पुलिस स्मृति दिवस परेड कार्यक्रम की शुरुआत की गई

29वी बटालियन दतिया के ग्राउंड में स्थित शहीद स्मारक पर मनाया 67 वां पुलिस स्मृति दिवस

एक सत बुलेटिन, दतिया



29वीं बटालियन ग्राउंड में स्थित शहीद स्मारक पर पुलिस स्मृति शहीद दिवस कार्यक्रम आज बुधवार को गरिमामय रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक एवं सेनानी 29 वी बटालियन मयूर खंडेलवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों में उप सेनानी श्री राकेश खाखा, सहायक सेनानी श्री जितेंद्र नगाइच एवं सहायक सेनानी श्री मुनेंद्र सिंह भदोरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे एवं पुलिस अधीक्षक एवं सेनानी श्री मयूर खंडेलवाल को परेड कमांडर निरीक्षक श्री मोहित करौलिया द्वारा सलामी देकर की गई। वाहिनी के उप सेनानी श्री राकेश खाका द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया इसके पश्चात परेड कमांडर निरीक्षक मोहित करोलिया द्वारा शहीदों को सलामी देकर पुलिस स्मृति दिवस परेड कार्यक्रम की शुरुआत की गई । विगत वर्ष 01/09/ 2025 से 31/0 8 /2026 के दौरान पूरे देश में कर्तव्य की वली बेदी पर अपने प्राणों को निछावर करने वाले वीर 154 अधिकारी / कर्मचारी साथियों की सूची प्रधान आरक्षक 174 सत्य प्रकाश द्वारा वाचन करने के लिए पुलिस अधीक्षक एवं सेनानी श्री मयूर खंडेलवाल को सौंपी गई उनके द्वारा इस सूची का वाचन किया गया । इसके बाद प्रधान आरक्षक सत्य प्रकाश द्वारा सूची शहीद स्मारक को समर्पित की गई । मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा वाहिनी के प्रधान आरक्षक 600 खुशीराम के शहीद होने पर उनकी पत्नी श्रीमती गुड्डी देवी को शाल श्रीफल से सम्मान कर उनका होंसला बढ़ाया। अतिथियों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई तत्पश्चात परेड कमांडर निरीक्षक मोहित करोलिया द्वारा शहीदों को अंतिम सलामी शोक शास्त्र की कार्रवाई प्रारंभ की गई। इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने खड़े होकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की उसके पश्चात परेड धीरे चाल से शहीद स्मारक मंच के दाएं बाएं से गुजारी गई। इस पुलिस स्मृति दिवस परेड के परेड कमांडर निरीक्षक श्री मोहित करोलिया परेड के टू आई सी उप निरीक्षक श्री अजय राय प्लाटून नंबर एक का नेतृत्व उपनिरीक्षक श्री हीरा सिंह पाल एवं प्लाटून नंबर दो का नेतृत्व उप निरीक्षक श्री अनुफासिल हसन के द्वारा किया गया। वाहिनी के बैंड का नेतृत्व आरक्षक रामकुमार के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम के मंच का संचालन सहायक उप निरीक्षक श्री कमलेश प्रजापति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक श्रीमती रूमा नाज, सूबेदार नीलिमा गुर्जर क्वार्टर मास्टर श्री संतोष कुमार सेन, स्टेनो सूबेदार श्री कपिल शर्मा, श्री अनुराग बघेल, श्री उमेश शर्मा, श्री नेमीचंद आर्य, उपनिरीक्षक राजा वीर विक्रमादित्य सिंह, एमटीओ श्री हरदास सिंह, सहायक उप निरीक्षक श्री गोविंद सिंह, श्री हिमालय सेन, बटालियन हवलदार मेजर जगदीश सिंह, प्रधान आरक्षक नईमुद्दीन कुरैशी सहित पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में वाहिनी के अधिकारी कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से जनजातीय कृषक होंगे लाभान्वित, 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित



एक सत बुलेटिन, मुरैना

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले के पहाड़गढ़ विकासखंड के चयनित 18 ग्रामों के अनुसूचित जनजाति वर्ग के मत्स्य कृषकों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से लाभान्वित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक पात्र हितग्राही 30 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय सहायक संचालक, मत्स्योद्योग, जिला मुरैना में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। सहायक संचालक, मत्स्योद्योग श्री राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि योजना के अंतर्गत बायोफ्लॉक पॉण्ड, स्वयं की भूमि पर तालाब निर्माण, पुनर्चक्रणीय जलीय कृषि प्रणाली, फीड मिल एवं हैचरी की स्थापना, आइस प्लांट, आइस बॉक्स सहित मोटरसाइकिल तथा इंसुलेटेड वाहन जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के माध्यम से पात्र मत्स्य कृषक मत्स्य पालन से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित कर अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर सकते हैं। आवेदन के साथ हितग्राहियों को स्वयं की भूमि से संबंधित खसरा, खतौनी एवं नक्शा, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा पासपोर्ट आकार का फोटो संलग्न करना अनिवार्य है। मत्स्य कृषक निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार एवं उद्योग के लिए रियायती दर पर मिलेगा ऋण

एक सत बुलेटिन, दतिया



भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के उपक्रम नेशनल दिव्यांगजन फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के माध्यम से जिले के पात्र दिव्यांगजनों को स्वरोजगार, व्यवसाय एवं उद्योग स्थापित करने के लिए रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के माध्यम से प्रदेश में 13.20 करोड़ रुपये की ऋण राशि निर्धारित की गई है, जिससे 1,320 दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के अधिकाधिक पात्र दिव्यांगजनों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों, रोजगार मेलों एवं जागरूकता शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाए। साथ ही मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की संबंधित शाखाओं से समन्वय स्थापित कर प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आवश्यकता के अनुसार विशेष शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को आवेदन में सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को योजना की नियमित समीक्षा करने, प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं, ताकि दिव्यांगजन आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।

कलेक्टर ने तीन आदतन अपराधियों को एक वर्ष के लिए किया जिला बदर

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा के प्रस्ताव पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के प्रावधानों के तहत तीन आदतन अपराधियों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई की है। संबंधित अपराधियों के विरुद्ध जिले के विभिन्न पुलिस थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। जिला मजिस्ट्रेट श्री जांगिड़ ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 3 सहपठित धारा 5 एवं 6 के अंतर्गत जनकपुर, थाना सिविल लाइन, मुरैना निवासी भूरा गुर्जर (40 वर्ष), पुत्र मातादीन गुर्जर; लालपुरा, थाना नगरा निवासी गोविंद शर्मा (29 वर्ष), पुत्र राकेश सिंह शर्मा तथा ग्राम कीरतपुर, थाना सुमावली निवासी कल्ली उर्फ अमित शर्मा (21 वर्ष), पुत्र मनोज शर्मा के विरुद्ध जिला बदर के आदेश जारी किए हैं। आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा लोक व्यवस्था, जनसुरक्षा एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जारी आदेश के तहत तीनों अपराधियों को जिला मुरैना सहित निकटवर्ती जिलों ग्वालियर, भिण्ड, श्योपुर एवं शिवपुरी की सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिए बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वे उक्त जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

सभी डिलेवरी पॉइन्ट पर डिलेवरी हेतु आवश्यक सामग्री शत-प्रतिशत उपलब्ध रहे : कलेक्टर पवन कुमार जैन

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार भिण्ड में आयोजित की गई। बैठक में सीएमएचओ डॉ जे.एस. यादव, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ आर.के. मिश्रा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1 डॉ आर.एस. सेमिल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2 डॉ आलोक शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3 डॉ डी.के. शर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ शिवरामसिंह कुशवाह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ गौरव भटनागर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती ज्योति अंसोलिया तथा ब्लॉक स्तर से समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, समस्त ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, समस्त ब्लॉक कम्यूनिटी मोबिलाईजर, बंधपत्र चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने सी.एम. हेल्पलाईन की समीक्षा में पेंडिंग शिकायतों का तत्काल निराकरण करने समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये तथा सर्वाधिक 161 शिकायतों को 15 दिवस में संतुष्टिपूर्ण बंद कराने के निर्देश दिये। साथ ही चेतावनी दी कि समय-सीमा में कार्य न होने पर आगामी वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही होगी। कलेक्टर श्री जैन ने जिले की समस्त डिलेवरी पॉइन्ट की समीक्षा की जिसमें निर्देश दिये कि जिले के सभी डिलेवरी पॉइन्ट पर डिलेवरी हेतु आवश्यक सामग्री शत-प्रतिशत हो तथा आवश्यकता होने पर ही रेफर किया जाये। जिले की गर्भवती महिलाओं का ए.एन.सी. रजिस्ट्रेशन प्रतिशत को बढ़ाने हेतु समस्त बी.एम.ओ. को निर्देशित किया। स्वास्थ्य समीक्षा में विभिन्न योजनाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धि हेतु समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को माह में एक दिन महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ से समन्वय स्थापित कर एसडीएम की अध्यक्षता में बैठकों का आयोजन करने निर्देश दिए, जिससे ए.एन.एम., आशा कार्यकर्ता व कार्यकर्ताओं का समन्वय बना रहे।बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जे.एस. यादव द्वारा जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं व स्वास्थ्य संस्थाओं के अन्तर्गत आने वाले अधिकारी कर्मचारियों के बारे में जानकारी दी गई।

सहकारी बैंक की समीक्षा बैठक में कलेक्टर वर्मा के निर्देश, राशि वसूली के लिए सक्रिय होकर काम करें

एक सत बुलेटिन, दतिया

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों तथा समस्त शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में बकाया राशि वसूली के संबंध में समीक्षा की गई और बैंक के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और बैंक शाखा प्रबंधकों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।कलेक्टर श्री वर्मा ने सहकारी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की समस्त शाखाओं में जिन बड़े बकायेदारों पर सर्वाधिक राशि बकाया है, उन्हें तुरंत चिन्हित किया जाए और उनके खिलाफ विधिवत नोटिस जारी किए जाएं और राशि की वसूली सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने समस्त तहसीलदारों को भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि शत-प्रतिशत बकाया राशि की त्वरित वसूली की जाए। समस्त शाखा प्रबंधकों को कुर्की आदेश जारी कराने के निर्देश दिए गए। शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनीकलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि यदि नोटिस जारी होने के बावजूद बकायेदारों द्वारा राशि जमा नहीं की जाती है।

दीपावली त्यौहार के दृष्टिगत खाद्य अधिकारियों का सघन अभियानः भिण्ड में मावा, घी और सरसों तेल के लिए नमूने

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



दीपावली के त्योहार के दृष्टिगत जिला कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच अभियान प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में मौ क्षेत्र एवं शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से मावा, घी और सरसों तेल के नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती किरन सेंगर ने मौ क्षेत्र के ग्राम पखोजिया स्थित सोनू राठौर की डेयरी तथा रामबिहारी राठौर की सिद्धबाबा डेयरी से मावा एवं घी के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए। ग्राम छेंकुरी स्थित अनिल परिहार डेयरी से मावा का नमूना लेने के साथ ही प्रतिष्ठान को धारा 32 का नोटिस जारी किया गया। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल के आदेशानुसार लोकल ब्रांड के तेलों के नमूने लेने एवं निरीक्षण हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी कु. रेखा सोनी ने घर गृहस्थी बाजार, संतोषी माता रोड़ पहुंचकर चम्बल भोग ब्रांड की कच्ची घानी सरसों तेल का नमूना जांच हेतु लिया। प्रशासन का उद्देश्य त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं तक शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ पहुंचाना सुनिश्चित करना है। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में मृतक के वैध वारिस को कलेक्टर ने 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की

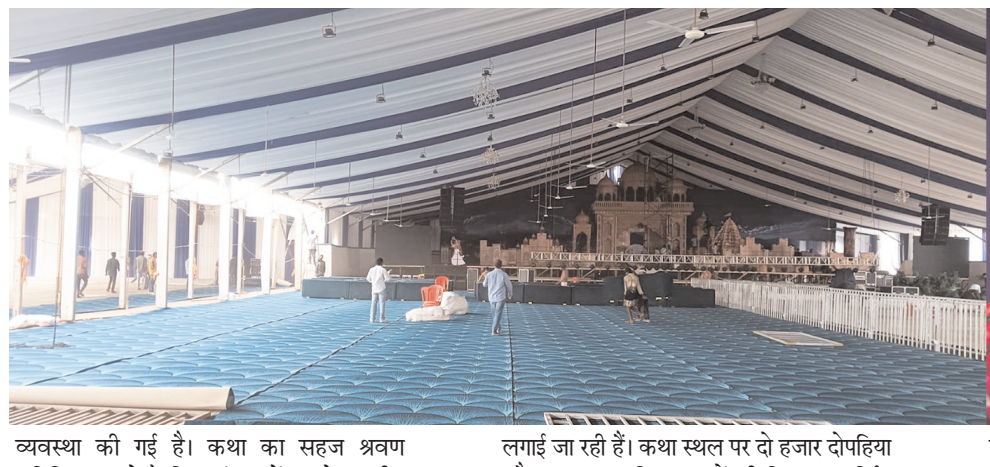
मुरैना! कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सड़क दुर्घटना में मृतक संतोष पुत्र श्री सरजूलाल कडेरे की वैध वारिस पत्नी श्रीमती रामादेवी को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। तहसीलदार, तहसील मुरैना के न्यायालयीन प्रकरण तथा अनुविभागीय अधिकारी , मुरैना द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह सहायता स्वीकृत की गई है। प्रकरण के अनुसार, 13 नवंबर 2025 को रात्रि लगभग 8:30 बजे संतोष मोटरसाइकिल से पांचवीं बटालियन के गेट से विक्रम नगर की ओर जाने के लिए एबी रोड क्रॉसिंग पार कर रहे थे। इसी दौरान ग्वालियर की ओर से आ रही मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-06-एमटी-3341 के चालक ने वाहन तेज गति एवं लापरवाही से चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में संतोष के सिर एवं शरीर में गंभीर चोटें आई। उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रकरण में मृतक की वैध वारिस पत्नी श्रीमती रामादेवी, निवासी विक्रम नगर, मुरैना को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की अनुशंसा की गई थी। राज्य शासन के निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करते हुए उक्त राशि उनके बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश दिए हैं।



23 से 29 अक्टूबर तक आयोजन; 20 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, राधाकृष्ण की छवि वाली व्यास पीठ होगी आकर्षण

इन्द्रेश उपाध्याय की भागवत कथा के लिए एक लाख वर्गफीट में पांडाल तैयार

एक सत बुलेटिन,इंदौर





वृंदावन के युवा कथा वाचक इन्द्रेश उपाध्याय की श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा के लिए एमआर-10 स्थित स्टार चौराहे पर एक लाख वर्गफीट में विशाल वाटरप्रूफ पांडाल तैयार किया गया है। 23 से 29 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक होने वाली कथा में प्रतिदिन करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। राधाकृष्ण की मनोहारी छवि वाली व्यास पीठ आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। आयोजन के मनोरथी गोयल परिवार (गोयल ग्रीन) के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। बुजुर्गों के लिए कुर्सियों और अन्य श्रद्धालुओं के लिए भारतीय पद्धति से बैठक व्यवस्था की गई है। कथा का सहज श्रवण सुनिश्चित करने के लिए पांडाल में 12 मेगा स्क्रीन लगाई जा रही हैं। कथा स्थल पर दो हजार दोपहिया और 800 चारपहिया वाहनों की निशुल्क पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पेयजल, महिला-पुरुषों के लिए अलग वाशरूम, रोशनी, साफ-सफाई और प्राथमिक चिकित्सा के इंतजाम भी किए गए हैं। सुरक्षा के लिए मैदान और आसपास 40 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर पांडाल का विस्तार करने की व्यवस्था भी रखी गई है। आयोजकों के अनुसार, इन्द्रेश उपाध्याय पहली बार इंदौर में सार्वजनिक रूप से भागवत कथा करेंगे। इसे लेकर इंदौर सहित मालवांचल के विभिन्न शहरों और कस्बों के श्रद्धालुओं में उत्साह है। इन्द्रेशजी अपनी टीम के साथ 23 अक्टूबर की सुबह इंदौर पहुंचेंगे। भागवत कथा के दौरान 26 अक्टूबर को शरद रासोत्सव, 27 अक्टूबर को शरद दीपोत्सव और 28 अक्टूबर को शरद छप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा। नियमित कथा के बाद होने वाले इन विशेष उत्सवों की भी तैयारियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी-आईजी के साथ की समीक्षा बैठक

कार्बाइड गन और कार्बाइड लैम्प के उपयोग पर लगायें सख्ती से अंकुश : मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी तीज-त्यौहारों और सामाजिक एवं धार्मिक मेलों के दौरान सभी कलेक्टर्स-एसपी विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित करें कि त्यौहारों के दौरान कार्बाइड गन और कार्बाइड लैम्प का उपयोग नहीं हों, क्योंकि लोकल मेड कार्बाइड गन और कार्बाइड लैम्प मानवों के लिए बेहद खतरनाक होती हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान पटाखों की अवैध बिक्री पर रोक लगायें। कहीं भी और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होने पाये। किसी जिले में यदि किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति निर्मित होगी, तो इसके लिए कलेक्टर और एसपी ही जिम्मेदार माने जायेंगे। उन्होंने कहा कि तीज-त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर रखने की सभी तैयारियां अभी से कर लें। सुरक्षा और आकस्मिक प्रबंधन से जुड़े विषयों पर आपसी सामंजस्य से काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय से सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स और एसपी-आईजी की वीडियो



कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार की सभी फ्लैगशिप स्कीम्स एवं विकास कार्यक्रमों के फील्ड में क्रियान्वयन का फीडबैक लिया तथा आगामी माहों में सभी तीज-त्यौहारों में कानून-व्यवस्था की बेहतर से बेहतर तैयारी रखने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने त्यौहारों और सामाजिक मेलों के आयोजन के संदर्भ में कलेक्टर-एसपी को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने-अपने जिलों में संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ायें। कहीं भी किसी भी प्रकार की सामाजिक/साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए, सभी आवश्यक प्रतिबंधात्मक एवं सुरक्षा कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक तत्वों तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें। इन स्थानों पर नियमित एवं प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पटाखों की दुकानों को लायसेंस जारी करते समय सभी जरूरी शर्तों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। विक्रेताओं की दुकानों का भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण भी किया जाए। किसी भी स्थान पर विस्फोटक सामग्री का अवैध भंडारण न होने दें। अवैध भंडारण पाए जाने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए तथा प्रतिबंधित पटाखों के क्रय-विक्रय, भंडारण एवं उपयोग पर भी प्रभावी रोक लगाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्बाइड गन एवं कार्बाइड लैंप के उपयोग से होने वाली दुर्घटनाओं एवं संभावित जनहानि के मद्देनजर इनके उपयोग पर सख्ती से रोक लगायें। दीपावली के दौरान संवेदनशील स्थलों पर अग्निशमन वाहनों, अग्निशमन उपकरणों एवं प्रशिक्षित स्टॉफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज मुंबई में इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में होंगे शामिल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, 22 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश में रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए उपलब्ध निवेश अवसरों, औद्योगिक अधोसंरचना और राज्य की निवेश नीतियों से उद्योगपतियों एवं निवेशकों को अवगत कराएंगे। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14वें द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। ओडिशा, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। सम्मेलन के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों का फोरम और कारोबारी नेटवर्किंग कार्यक्रम होंगे। भारत-अमेरिका, भारत-जापान तथा भारत-यूरोपीय संघ के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल फोरम में व्यापार, औद्योगिक सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। 23 अक्टूबर को सम्मेलन के दूसरे दिन विशेष रसायन, पेट्रोकेमिकल, औद्योगिक अधोसंरचना, पर्यावरण, संयंत्र एवं मशीनरी, पंप-वाल्व और कृषि रसायन जैसे विषयों पर परिचर्चाएं होंगी। इनमें उत्पादन प्रक्रियाओं, तकनीकी सुधार और पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 24 अक्टूबर को तीसरे दिन भी प्रदर्शनी जारी रहेगी। इंडिया केम-2026 मध्यप्रदेश के लिए रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और वैश्विक उद्योग जगत से संपर्क मजबूत करने का अवसर है।

राष्ट्रीय कला मंच पर चमके मप्र के कलाकार, निधि को पुरस्कार तो रविंद्र की 'ऑपरेशन सिंदूर' को ग्रैंड प्राइज

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश के दो कलाकारों ने राष्ट्रीय कला जगत में प्रदेश का मान बढ़ाया है। भोपाल में रहकर कला साधना कर रहीं मूर्तिकार निधि चोपड़ा को 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय की कलाकृति 'ऑपरेशन सिंदूर' को थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रैंड प्राइज मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में दोनों कलाकारों को सम्मान प्रदान किए। निधि को उनकी सिरेमिक मूर्तिकला 'टैंजिबल ड्रीम्स' के लिए मूर्तिकला श्रेणी में पुरस्कार मिला। दूसरी ओर, रविंद्र रॉय की 'ऑपरेशन सिंदूर' ने प्रिंट मेकिंग की विधा में अपनी छाप छोड़ी। दोनों उपलब्धियां समकालीन भारतीय कला में मध्यप्रदेश के कलाकारों की बढ़ती पहचान को रेखांकित करती हैं। नई दिल्ली में जन्मीं निधि चोपड़ा वर्तमान में भोपाल में रहकर कला सृजन कर रही हैं। उन्होंने जयपुर से मूर्तिकला में ललित कला स्नातक की पढ़ाई की। सिरेमिक और मूर्तिकला के क्षेत्र में सक्रिय निधि की रचनाओं में स्मृतियों और पहचान जैसे विषय प्रमुखता से उभरते हैं। उनकी कलाकृतियां ललित कला अकादमी और भारत भवन बिएनाले जैसे मंचों पर प्रदर्शित हो चुकी हैं। उनकी कला यात्रा में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई सिरेमिक शिविर शामिल रहे हैं। वर्ष 2004 में अंतरराष्ट्रीय सिरेमिक शिविर, 2006 में जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के सिरेमिक शिविर और 2010 में राष्ट्रीय टेराकोटा शिविर में उन्होंने भागीदारी की। वर्ष 2015 में भारत-दक्षिण कोरिया सिरेमिक शिविर, 2024 में चीन के लोंगक्वान में सिरेमिक रेजिडेंसी और 2025 में भोपाल के भारत भवन में आयोजित राष्ट्रीय सिरेमिक शिविर से भी वह जुड़ीं। मध्यप्रदेश के विभिन्न कला महाविद्यालयों में वह व्याख्यान भी दे चुकी हैं। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार उनकी कला साधना को मिली महत्वपूर्ण पहचान है। सिरेमिक माध्यम में आकार, सतह और बनावट के जरिए अभिव्यक्ति उनकी कलाकृति 'टैंजिबल ड्रीम्स' की खास पहचान है। मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय की कलाकृति 'ऑपरेशन सिंदूर' को थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रैंड प्राइज से सम्मानित किया गया।



शिक्षकों की परीक्षा पर फिर सस्पेंस, आया नया अपडेट

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। पहले यह परीक्षा 12 अक्टूबर को 2026 को आयोजित होनी थी लेकिन फॉर्म भरने की तारीखों में बार-बार बदलाव होने के कारण अब परीक्षा की तारीख में भी फेरबदल किया गया है। विभाग अब इस परीक्षा को दिसंबर के दूसरे सप्ताह में आयोजित कराने की तैयारी कर रहा है। तय शेड्यूल के मुताबिक फॉर्म भरने की तारीखों में अब तक कुल तीन बार बदलाव किया जा चुका है। परीक्षा के लिए जिला और संभागवार सूची तैयार कर परीक्षा केंद्र तय किए जाएंगे, जिसमें शहरी और ग्रामीण शिक्षकों के लिए अलग-अलग सूची होगी। टीईटी परीक्षा को लेकर अब तक कुल 34 हजार शिक्षकों ने फॉर्म भरे हैं। इनमें से लगभग 4 हजार सरकारी स्कूलों और 30 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। 31 अगस्त 2028 तक पास करना अनिवार्य होगा।

निवेश की नई दौड़: उद्योगों के साथ श्रमिकों और ऊर्जा पर भी दांव

सस्ते आवास से लेकर कोल गैसीकरण और परमाणु ऊर्जा तक निजी निवेश को प्रोत्साहन देने की तैयारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य प्रदेश में निवेश बढ़ाने की रणनीति अब केवल उद्योगपतियों को रियायतें देने तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार औद्योगिक निवेश के साथ श्रमिकों के आवास, वैकल्पिक ऊर्जा, कोयले के औद्योगिक इस्तेमाल और स्थानीय उत्पादों के बाजार विस्तार पर भी दांव लगाने जा रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 से पहले प्रस्तावित नई नीतियां इसी बदली हुई रणनीति का हिस्सा हैं। सरकार का लक्ष्य निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के साथ प्रदेश में उद्योगों के संचालन की लागत और व्यावहारिक मुश्किलें कम करना है। औद्योगिक आवास, परमाणु ऊर्जा, कोल गैसीकरण, कृषि प्रसंस्करण और एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) से जुड़ी नीतियों



के प्रारूप जल्द कैबिनेट के सामने रखे जाने की तैयारी है। इनके जरिए सरकार अलग-अलग क्षेत्रों में निजी निवेश को प्रोत्साहित करना चाहती है। औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए आवास की उपलब्धता भी निवेश की एक अहम शर्त है। इसी जरूरत को देखते हुए प्रस्तावित औद्योगिक आवास नीति में कारखानों के भीतर या आसपास कम लागत वाले मकान और हॉस्टल बनाने वाले डेवलपर्स को सस्ती जमीन और विशेष कर रियायतें देने का प्रावधान किया जा रहा है। इसका उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए रहने की सुविधा विकसित करना है। इससे उद्योगों को श्रमिकों की उपलब्धता और आवास की समस्या से निपटने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसका वास्तविक लाभ जमीन की उपलब्धता, आवास की कीमत और योजना के क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। कोल गैसीकरण नीति के जरिए सरकार कोयले के इस्तेमाल को नए औद्योगिक उत्पादों तक विस्तार देना चाहती है। प्रस्तावित प्रावधानों में कोयले से अमोनिया, मेथनॉल और अन्य सिंथेटिक गैस बनाने वाले संयंत्रों को पूंजीगत सब्सिडी तथा बिजली शुल्क में राहत देने की तैयारी है। यह नीति निवेश के नए अवसर पैदा कर सकती है।

थाना परिसर में बदमाश और पुलिसकर्मियो के बीच धक्का मुक्की, पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल। शहर के हबीबगंज थाना परिसर में मंगलवार रात 8-9 बजे के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई जब इलाके के निगरानीशुदा बदमाश लड्डू राय और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीड़िया में पुलिसकर्मी लड्डू राय और अन्य लोगों को पकड़कर अलग करते और धक्कामुक्की करते नजर आ रहे हैं। वहीं एक युवक के साथ पुलिसकर्मी मारपीट करता दिखाई दे रहा है। मामले में पुलिस ने लड्डू राय और उसके साथियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर इलाके में उसका जुलूस भी निकाला। थाना पुलिस के अनुसार ऑटो खड़े करने की जगह को लेकर हुए विवाद के बाद दो पक्ष थाने पहुंचे थे। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान निगरानीशुदा बदमाश लड्डू राय पांच-छह लोगों के साथ थाने पहुंचा। पुलिस का कहना है कि बदमाश ने थाने में पहले से मौजूद एक पक्ष के लोगों को बाहर निकलने पर देख लेने की धमकी दी। पुलिसकर्मियों ने लड्डू राय को थाने से बाहर जाने के लिए कहा। इसके बाद विवाद बढ़ गया और पुलिसकर्मियों व लड्डू राय के बीच धक्कामुक्की होने लगी। सामने आए वीडियो में पुलिसकर्मी कुछ लोगों को पकड़कर पीछे हटाते और अलग करते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान एक युवक के साथ हाथापाई होती भी नजर आ रही है।



टीबी उन्मूलन के साथ- साथ नशा मुक्ति अभियान को भी जोड़ें : राज्यपाल पटेल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के प्रयासों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान को भी जोड़ा जाना चाहिए। नशे के आर्थिक, सामाजिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने माता-पिता से बच्चों को घर से ही नशे से दूर रहने के संस्कार देने तथा संयमित जीवनशैली, पौष्टिक आहार और समुचित उपचार का महत्व समझाने का आह्वान किया। राज्यपाल बुधवार को एमपी स्टेट टीबी एसोसिएशन के 77वें टीबी सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के सहयोग के लिए 11 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। उपचार और निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक मरीज तक सही जानकारी, आवश्यक दवाइयां और पौष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने टीबी मरीजों को सकारात्मक सोच और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने तथा अभियान को निरंतर और प्रभावी रूप से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने टीबी सील अभियान से जुड़े सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं से उन्मूलन के प्रयासों में समर्पण भाव से कार्य करने की अपील की। कहा कि यह पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है।कार्यक्रम में एमपी स्टेट टीबी एसोसिएशन के चेयरमैन जयपाल सचदेव ने राज्यपाल का पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया।



सिंगापुर के आईटीबी एशिया-2026 में प्रदेश पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

भोपाल। सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेले 'आईटीबी एशिया-2026' में मध्यप्रदेश का पवेलियन विदेशी पर्यटकों और वैश्विक पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मरीना बे सैंड्स स्थित सैंड्स एक्सपो एंड कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. सहित विभागीय अधिकारी और पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पवेलियन को मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत, संस्कृति, वन्यजीव, आध्यात्म, वेलनेस और सतत पर्यटन की थीम पर आकर्षक रूप से तैयार किया गया है। यहां वर्चुअल रियलिटी (वीआर) तकनीक के माध्यम से विदेशी आगंतुक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का अनुभव ले रहे हैं। वहीं, जीआई टैग प्राप्त मुरैना की गजक और रतलामी सेव का स्वाद भी मेहमानों को आकर्षित कर रहा है। तीन दिवसीय पर्यटन मेला 23 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की टीम सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रमुख टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स और निवेशकों के साथ बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें कर रही है।



मप्र में रोज 3 हजार मरीज पहुंच रहे अस्पताल, वायरल फीवर में राहत की गोली, सेहत पर भारी पड़ रही मनमानी

ओपीडी में आने से पहले ही दवा खा रहे मरीज, डॉक्टरों ने किडनी पर खतरे को लेकर किया आगाह

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम और खांसी के बढ़ते मामलों के बीच दवाओं का खुद इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति चिंता बढ़ा रही है। बुखार और दर्द से जल्द राहत पाने के लिए लोग डॉक्टर की सलाह के बिना ही पेनकिलर और एंटीबायोटिक ले रहे हैं। इससे बीमारी की सही पहचान में देरी के साथ दवाओं के दुष्प्रभाव का खतरा भी बढ़ रहा है। खासकर दर्द निवारक दवाओं का गलत इस्तेमाल किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है, जबकि एंटीबायोटिक का अनावश्यक सेवन भविष्य में बैक्टीरियल संक्रमण का इलाज मुश्किल बना सकता है। प्रदेश में वायरल फीवर के करीब तीन हजार मरीज रोज अस्पताल पहुंच रहे हैं। भोपाल में जेपी, हमीदिया और जिला अस्पतालों के अलावा निजी क्लीनिकों में भी सर्दी-जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ी है। इंदौर और जबलपुर में करीब 500-500, ग्वालियर में 200 और उज्जैन में 150 मरीज रोज वायरल फीवर से पीड़ित होकर इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, ओपीडी में आने वाले कई मरीज पहले ही अपनी मर्जी से दवाएं ले चुके होते हैं। एमबीबीएस, एमडी और एफआईसीसीडी डॉ. समन ताहिर के अनुसार, उनके क्लीनिकल अनुभव में करीब 50 प्रतिशत मरीज डॉक्टर से मिलने से पहले दवा ले चुके होते हैं। इनमें कई मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें दवा से तत्काल राहत तो मिल जाती है, लेकिन गलत दवा, अनुचित डोज या लंबे समय तक सेवन से नुकसान का जोखिम बना रहता है। डॉ. ताहिर स्पष्ट करते हैं कि यह उनके क्लीनिकल अनुभव पर आधारित आकलन है, किसी बड़े सर्वे का निष्कर्ष नहीं। कौन-सी दवा दी जाए, उसकी कितनी मात्रा हो और कितने समय तक इस्तेमाल किया जाए, यह मरीज की बीमारी, मेडिकल हिस्ट्री और किडनी की स्थिति जैसे कई पहलुओं पर निर्भर करता है।



डॉ. प्रज्ञेश सक्सेना के मुताबिक, पहले उनकी ओपीडी में करीब 10 प्रतिशत मरीज ऐसे आते थे, जो डॉक्टर को दिखाने से पहले खुद दवा ले चुके होते थे। अब उनके व्यक्तिगत अनुभव में ऐसे मरीजों का अनुपात करीब 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। उनका कहना है कि गूगल और सोशल मीडिया से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने का चलन बढ़ा है। कई लोग इंटरनेट पर बताए गए नुस्खों या किसी दूसरे व्यक्ति के अनुभव के आधार पर अपनी दवा और व्यायाम तय कर लेते हैं। कुछ मरीज तो हफ्तों या महीनों तक दर्द की दवा लेते रहते हैं, लेकिन दर्द की असली वजह जानने के लिए जांच नहीं कराते। डॉक्टरों के मुताबिक, एक व्यक्ति के लिए कारगर दवा दूसरे के लिए उपयुक्त हो, यह जरूरी नहीं। उम्र, दूसरी बीमारियां, पहले से चल रही दवाएं और शरीर की स्थिति के अनुसार इलाज बदल सकता है। डॉ. समन ताहिर के अनुसार, दर्द के पीछे मांसपेशियों की समस्या, पोषण की कमी या कोई दूसरी बीमारी हो सकती है। पेनकिलर कुछ समय के लिए राहत दे सकती है, लेकिन दर्द की मूल वजह को खत्म नहीं करती। बार-बार या लंबे समय तक कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने से किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है। डॉ. प्रज्ञेश सक्सेना भी दर्द की समस्या में जरूरत के मुताबिक वॉकिंग, व्यायाम, मांसपेशियों को मजबूत करने और संतुलित खानपान पर जोर देते हैं। हालांकि, कौन-सा व्यायाम या उपचार उपयुक्त होगा, यह दर्द के कारण और मरीज की स्थिति पर निर्भर करता है। एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल भी चिंता सर्दी-जुकाम और वायरल बुखार में बिना चिकित्सकीय सलाह एंटीबायोटिक लेना भी उचित नहीं है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होती हैं, वायरल संक्रमण में नहीं। इनका अनावश्यक या गलत इस्तेमाल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस यानी दवाओं के प्रति बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने की समस्या को गंभीर बना सकता है। डॉक्टरों की सलाह है कि बुखार या दर्द में बार-बार खुद दवा लेने के बजाय उसकी वजह जानना जरूरी है। खासकर लगातार बुखार, बार-बार लौटने वाले दर्द या बिगड़ती तबीयत में चिकित्सकीय जांच कराएं। तत्काल राहत के लिए ली गई गोली कहीं आगे चलकर बड़ी परेशानी की वजह न बन जाए।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088